

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पहुंचा देता है। -महात्मा गांधी

दिवाली भी हो ली!

पूरे साल जिस पर्व का व्याकुलता से इंतजार रहता है वह जैसे पलक झपकते ही आता है और अतीत हो जाता है। क्या केवल मुझको ऐसा लगता है, या आपको भी ऐसा ही लगता है? कितने दिनों से हम इस त्योहार की तैयारियों में जुटे रहते हैं। घरों की सफाई करते हैं, अनावश्यक सामान घर से बाहर निकालते हैं और जिसे हम अब जरूरी मानने लगे हैं उसे खरीदने की योजनाएं बनाते हैं। लोग नई खरीद के लिए बजट में प्रावधान करते हैं और अब तो हालत यह हो गई है कि बड़ी चीजें खरीदने के लिए आपको पहले से ज्यादा इंतजार करना पड़ता है। पहले आप कुछ खरीदते थे तो बेचने वाला उपकृत अनुभव करता था, अब आप खरीदने जाते हैं तो बेचने वाला जैसे आप पर एहसान करता है। खास तौर पर बड़े उपभोक्ता उत्पादों के मामले में ऐसा होने लगा है। आप बड़ा टीवी, बड़ी कार या ऐसी ही कोई चीज खरीदना चाहें तो बहुत सम्भावना यही है कि उसके लिए आपको न केवल प्रतीक्षा करनी पड़े, बेचने वाले की चिंता भी करनी पड़े, कि वह आपको आपकी इच्छित तिथि को ठीक वही उत्पाद दे दे जो आप लेना चाहते हैं, जैसे किसी खास मॉडल का टीवी या किसी खास रंग और मॉडल की कार। उपभोक्ता राजा है वाली बात अतीत हो चुकी है।

इस बात की मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ। समय बदलता है और समय के साथ काफी कुछ बदलता है। जिस काल में मैं बड़ा हो रहा था उस काल में अगर हमें बैंक की किसी सेवा की प्रतीक्षा होती थी तो बेचने वाले से आप हमें उपकृत करता था। बैंक में खाता खुलवाना, बैंक बुक लेना बहुत बड़ी बात होती थी। लॉकर मिल जाना तो जैसे लॉटरी लग जाना था। अब लिफ्टियां उलट गई हैं। बैंक वाले आपके आगे-पीछे घूमते हैं कि आप खाता खुलवा लें, लॉकर ले लें। यह एक उदाहरण है। ऐसे बहुत सारे बदलाव हम देख रहे हैं। ये सारे बदलाव हमारे रिश्तों, सामाजिक संबंधों, रीति-रिवाजों और त्योहारों के मनाने के तौर-तरीकों में भी नजर आ रहे हैं। इन्हें मुझ जैसे लोग अधिक लक्ष्य इसलिए कर पाते हैं कि हमने जो जमाना भी देखा है और यह जमाना भी देख रहे हैं। देख तो सभी रहे हैं, लेकिन हम जैसी के पास थोड़ा और पीछे की स्मृतियां भी हैं और हम कल और आज की तुलना कर सकते हैं। मैं अपनी बात को केवल बदलावों को बताने तक सीमित रखना चाहता हूँ। कोई मूल्य निर्णय करना, किसी एक स्थिति या तरीके को अच्छा और दूसरे को बुरा कहना मुझे ठीक नहीं लगता। मेरी पीढ़ी के बहुत सारे लोग अतीत पर मुग्ध और वर्तमान से स्थायी रूप से क्षुब्ध रहते हैं। उनके हिसाब से कल जो भी था महान था और आज जो भी है वह पतन की पड़क़ाक़ है। मेरा सोच ऐसा नहीं है। मैं मानता हूँ कि बहुत सारे बदलावों ने हमारे जीवन को बेहतर भी बनाया है। और यह भी कि बहुत सारे बदलाव समय की मांग हैं। उन्हें होना ही था।

दीपावली के संदर्भ में मैंने बाजार की स्थिति की चर्चा की। वैसे तो दीपावली का संबंध लक्ष्मी जी से और इसलिए समृद्धि से है, इसलिए उसके संदर्भ में बाजार की अनदेखी की ही नहीं जा सकती है, लेकिन मैंने देखा है कि समय के साथ इस त्योहार में बाजार की भूमिका बढ़ती गई है। और इस त्योहार में ही क्यों, उसके अतिरिक्त भी। ध्यान दीजिए कि अब साल में कितनी बार ऐसे मुहूर्त आते हैं जब खरीददारी करना शुभ और मंगलकारी होता है। मेरे बचपन और किशोरावस्था में ऐसे मुहूर्त नहीं आते थे। अब जैसे ही कोई त्योहार आता है, मेरे घर आने वाले अखबारों की पृष्ठ संख्या बढ़ जाती है, और यह कहने की जरूरत तो नहीं है, फिर भी कह देता हूँ कि ये बढ़े हुए पृष्ठ विज्ञापनों के होते हैं। रंग-बिरंगे और आकर्षक। हमें ललचाते हुए केवल दिवाली पर ही नहीं, अन्य करीब-करीब सारे पर्वों और त्योहार पर ऐसा ही होता है। बाजार खूब सजते हैं, आवाज देकर हमें अपने पास बुलाते हैं, और हम भी खुद को रोक्ते-रोक्ते उसके पास जाने से बच नहीं पाते हैं।

हमारे अधिकांश त्योहार धर्म के इर्द-गिर्द बने हुए हैं। उन्हें मनाने में भी पहले धर्म और धार्मिक परंपराओं का भाव प्रबल रहता था। अब आए बदलावों की वजह से इसकी जगह वैभव प्रदर्शन और चमक-दमक, चकाचौंध और शोर-शराबे ने ले ली है। धर्म व तत्संबंधी परंपराएं नेपथ्य में चली गई हैं। पारिवारिकता और सामाजिकता के स्थान पर भी औपचारिकता का निर्वाह अधिक होने लगा है।

घर में पुताई भी खुद करती थीं, सफाई वगैरह तो करती ही थीं। अब यह काम हम औरों से, पैसे देकर करवाने लगे हैं। पहले त्योहार पर मिठाई घर में बनाई जाती थी और पूरा परिवार कई दिन इस गूह उद्योग में जुटा रहता था। अब सब कुछ बाजार से आता है। इसमें भी फर्क आ गया है। मैं अपनी जिंदगी के काफी बड़े भाग में बहुत छोटे कस्बों में रहा हूँ। त्योहारों पर, खास तौर पर दिवाली पर हम लोग बस में बैठ कर पास के अपेक्षाकृत बड़े कस्बे से मिठाई लाते हैं। अब ऐसा करने के लिए हममें से बहुत सारे लोग स्विगी ज़ोमेटो जैसी डिलीवरी सेवाओं पर निर्भर हो गए हैं। पहले दिवाली पर हम हाथ से शुभ कामना संदेश लिखकर और उन संदेशों पर जैसी-तैसी चित्रकारी करके डाक से भेजते थे, फिर छपवा कर कार्ड भेजने लगे और अब वॉट्सएप और अन्य सोशल मीडिया पर शुभ कामनाओं का आदान-प्रदान हो जाता है। हर लगे ना फिटकरी। एक जमाना था जब त्योहारों पर लोग अपनों के घर जाते थे, तस्ली की से बैठकर गपशप करते, घर में बने पकवान खाते और उनकी सरनाह करते। फिर उपहारों के आदान-प्रदान का चलन हुआ, और अब त्योहारों पर अपनों के घर आना-जाना भी जैसे समाप्त ही हो गया है। मोबाइल पर शुभ कामनाओं का आदान-प्रदान हो जाता है। अगर उपहारों का आदान-प्रदान होना है तो उसके लिए भी स्वयं जाना जरूरी नहीं रह गया है। बहुत मजे की बात यह कि मिठाई की दुकानें खूब सजती हैं, मिठाइयों में नवाचार भी बहुत होते हैं, समाचार माध्यमों में उनकी अत्यंत महंगी किस्मों की रस ले लेकर चर्चा होती है, शाम होते-होते मिठाई की दुकानें खाली हो जाती हैं लेकिन लोग मिठाई खाने बहुत कम हैं। वजह यह कि लोग अब अपनी सेहत के प्रति ज्यादा जागरूक हो गए हैं।

हर त्योहार पर उसकी कुछ परंपराओं को लेकर वाद-विवाद होने लगा है और लोग सीधे-सीधे दो गुटों में बंटकर उतराने लगे हैं। दिवाली पर पटाखों को लेकर, तो होली पर पानी को लेकर, बकरा ईद पर जीव हत्या को लेकर तो नव वर्ष पर उसके विदेशी होने को लेकर विवाद अब इतने आम हो चुके हैं कि ऐसा लगता है जैसे ये विवाद भी त्योहार का ही हिस्सा है। ऐसे ज्यादातर विवाद तार्किक न होकर पूर्वाग्रह और जिद से भरे होते हैं और इनका अंत कटुता में होता है। अब यह बात भी समझ में आने लगी है कि इनमें से बहुत सारे विवाद बाकायदा प्रायोजित होते हैं। उदाहरण के लिए देखें कि एक खास समय पर चीन में बनी हुई झालों का विरोध शुरू होता है और जब विरोध करने वालों को उसमें फायदा नजर नहीं आता तो विरोध होता ही नहीं है, जैसे इस बरस नहीं हुआ। ऐसे बहुत सारे प्रसंग याद किए जा सकते हैं। ये विवाद इस बात का भी संकेत देते हैं कि हममें से बहुत सारे लोग अब पहले से ज्यादा असहिष्णु हो गए हैं। हमें अपनों से ज्यादा दूसरों की बुराइयों नजर आती हैं और हम बड़-चढ़कर उनकी चर्चा करते हैं। जब हमें कोई अपनी किसी कमी की याद दिलाता है तो हम जवाब में दूसरों की कमियां गिनाने लगते हैं या यह सवाल करने लगते हैं कि तुम हमारी बात क्यों कर रहे हो, उन की बात क्यों नहीं कर रहे?

हमारे अधिकांश त्योहार धर्म के इर्द-गिर्द बने हुए हैं। उन्हें मनाने में भी पहले धर्म और धार्मिक परंपराओं का भाव प्रबल रहता था। अब आए बदलावों की वजह से इसकी जगह वैभव प्रदर्शन और चमक-दमक, चकाचौंध और शोर-शराबे ने ले ली है। धर्म व तत्संबंधी परंपराएं नेपथ्य में चली गई हैं। पारिवारिकता और सामाजिकता के स्थान पर भी औपचारिकता का निर्वाह अधिक होने लगा है।

लेकिन जैसा मैंने कहा, ये सारे परिवर्तन कुछ तो समय और स्थितियों की वजह से हो रहे हैं और कुछ हमारी मानसिकता में आए बदलावों के कारण हो रहे हैं। इन सबके बावजूद त्योहार हमारे लिए अपरिहार्य हैं। वे हमारी जिंदगी की एकरसता को तोड़ते हैं और बदले वक्त में जितनी भी गुंजाइश बची हुई है उसी सामाजिकता का पोषण करते हैं।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

जो दूण राखे निज धर्म को तेहि राखे करतार -बटेंगे तो कटेंगे- जुमले का पर्याय



प्रो. वीर बहादुर सिंह

वाक्य प्राचीन होते हुए भी सार्वभौमिक है। इस शीर्षक का पहला भाग आगरा के जिस महाविद्यालय में मैंने शिक्षा प्राप्त की, उसके मुख्य भवन पर लिखा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राजनैतिक हलकों में विशेष रूप से उत्तरप्रदेश में उपरोक्त जुमला काफी प्रयुक्त हो रहा है, परिप्रेक्ष्य चुनाव हो सकता है अथवा हिन्दू मुसलमान कर्नलफ्लिक्ट अथवा संघर्ष। ये संघर्ष छोटे-मोटे, यदा-कदा और लोकल पॉकेट्स से लेकर व्यापक स्तर तक हो सकते हैं। व्यापकता और पुनरावृत्ति इस बात पर निर्भर करेगी कि संघर्ष या विरोध का कारण क्या है? और क्या उस लोकल स्तर पर ही नहीं सुलझाया जा सकता? और क्या उस संघर्ष में कोई राजनैतिक पक्ष भासित हो रहा है? ऐसे अनेक प्रश्न हो सकते हैं उस संघर्ष के बारे में। ग्रामीण परिवेश के अनेक साधारण मसले बहुधा वहीं बैठ कर सुलझा लिए जाते हैं। लेकिन जब छोटे मसले भी राजनैतिक दृष्टि से इतना अधिक उलझा दिए जाते हैं कि उनका समाधान फिर स्थानीय स्तर पर करना असंभव हो जाता है।

राजनैतिक पार्टियों ने देश का सामाजिक वातावरण कहीं अधिक दूषित और भूमिल कर दिया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी, समस्या का समाधान निकालना दूबर हो जाता है और उन्हें अनदेखा छोड़ने से उनकी व्यापकता विकराल हो जाती है फिर उदा जनता संसोधनों को नष्ट करने लगती है।

जिससे आम जनता भी त्रस्त होती है और पुलिस का जमावड़ा संलग्न होने से व्यवस्था सुधरने के वजाय और अधिक जटिल बनती जाती है। अब तो हालात ऐसे हैं कि सरकार के हर काम में राजनैतिक हस्तक्षेप होने लगा है। विरोधी पार्टियां समाधान के पक्ष में कुछ कर पाने के वजाय अपने वक्तव्यों से स्थिति को और जटिल बना देते हैं। देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तरप्रदेश जहाँ जनसंख्या भी सर्वाधिक और उसका घनत्व भी। ऐसा माहौल राजनैतिक पार्टियों को खूब भाता है। जहाँ कभी-कभी ये पता नहीं चलता कि कौन और कितने पक्ष में है और कितने पक्ष में? लॉजिक की दृष्टि से भी समस्या को आंका दुस्कर हो जाता है। इसी प्रदेश से इस लेख का जुमला निकला है। 'बटोंगे तो कटोंगे' जहाँ मंदिर मस्जिद विवाद सदियों तक चला और सर्वोच्च न्यायलय में न जाने योग्य मसले को भी सुप्रीम कोर्ट को हल करना पड़ा।

मैं समझता हूँ कि इस देश की जनता वाकई शांति पसंद है और जीवन में शांति ही चाहती है तो फिर ऐसे विवाद उत्पन्न होने ही नहीं चाहिए। जनता का कोई एक वर्ग किसी असंतोष के कारण यदि दो-तीन हाईवे भीड़ से जाम कर दें और महीनों तक आवागमन रुका रहे जनता को उससे कितनी ही परेशानी हो, सरकार लाचार होकर देखती रहती है। समस्या को सुलझाने के स्थान पर उलझाने वाले अधिक तर विरोधी पार्टियों के होते हैं। मैंने आज तक नहीं देखा जब किसी विरोधी पार्टी की संलग्नता के कारण कोई समस्या का समाधान निकला हो। मैंने आज तक नहीं देखा जब किसी विरोधी पार्टी की अतिरिक्त इसके बहुधा अपवाद प्रवृत्ति के कारण स्थिति विगड़ती ही है सुधरती नहीं। उपरोक्त जुमला मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या और उससे उपजती समस्याओं के कारण उपजा है। नौ मुसलमान देश लगभग सभी अब इस प्रवृत्ति को रोक्ने का प्रयास कर रहे हैं।

इतिहास साक्ष्य है कि मुसलमानों ने सदैव तलवार और अराजकता, से अन्य देशों पर अपना प्रभुत्व कायम किया। आज दुनिया में लगभग 57 देश मुस्लिम हैं और मुस्लिम धर्म को मानने वाले हैं। उनकी विस्तारवादी प्रवृत्ति से अन्य धर्मालम्बी परेशान हैं। हिन्दुओं का केवल भारत देश ही है जो अशोक साम्राज्य के बाद बिफटित होता गया, रही-सही कसर आजादी के बाद बटवारे के फलस्वरूप बने पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पूरी कर दी। बटवारे के समय धर्म के आधार पर मुस्लिमों को पाकिस्तान और बांग्लादेश दे दिए गए, जिससे भारत भूभाग काफी छोटा रह गया। इसके उपरान्त भी गांधी की मुस्लिम परस्त सोच ने बिना किसी विधान और राजनैतिक विचार व कानून के एक बड़ी संख्या मुसलमानों को भारत में रोक ली गयी। किसी ने भी इस पर एतराज नहीं किया और न कहीं आंदोलन हुए। समय के साथ यही वर्ग कांग्रेस पार्टी का वोट बैंक बन गया। कांग्रेस और नेहरू जो कि पहले प्रधान मंत्री बने उन्होंने इस काम को अंजाम दिया। इस पर भी गांधी की राष्ट्रपिता का खिात देकर उनका चित्र भारत की कंसेरी पर छापा जाने लगा जो आज भी हो रहा है।

लेखक का यहाँ यह प्रश्न है कि पाकिस्तान देश बनने पर जिना तो पाकिस्तान के प्रधान मंत्री बने और डेमोक्रेसी को अलग छिड़कते हुए भारत में सुभाष बोस की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया। फिर भी तत्कालीन राजनीतिज्ञों का पेट नहीं भरा, और गांधी को हराएँ। और नेहरू को चाचा घोषित कर दिया। यह काम कितना मूर्खता का था कि गांधी ने पाकिस्तान बनाया और बांग्लादेश, जबकि वे बटवारे के विरोधी कहे गए। सिद्धान्त: गांधी पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्रपिता होने चाहिये थे। भारत तो बहुत पहले से ही एक राष्ट्र मौजूद था, वहाँ दुबारा कोई पिता कैसे हो सकता है? इस पर भी बटवारे के समय तथाकथित शांति के पुजारी ने इतनी अशांति उत्पन्न कर दी कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से विस्थापित हिन्दुओं की मुसलमानों ने मारकाट,

दशों पर अपना प्रभुत्व कायम किया। आज दुनिया में लगभग 57 देश मुस्लिम हैं और मुस्लिम धर्म को मानने वाले हैं। उनकी विस्तारवादी प्रवृत्ति से अन्य धर्मालम्बी परेशान हैं। हिन्दुओं का केवल भारत देश ही है जो अशोक साम्राज्य के बाद बिफटित होता गया, रही-सही कसर आजादी के बाद बटवारे के फलस्वरूप बने पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पूरी कर दी। बटवारे के समय धर्म के आधार पर मुस्लिमों को पाकिस्तान और बांग्लादेश दे दिए गए, जिससे भारत भूभाग काफी छोटा रह गया। इसके उपरान्त भी गांधी की मुस्लिम परस्त सोच ने बिना किसी विधान और राजनैतिक विचार व कानून के एक बड़ी संख्या मुसलमानों को भारत में रोक ली गयी। किसी ने भी इस पर एतराज नहीं किया और न कहीं आंदोलन हुए। समय के साथ यही वर्ग कांग्रेस पार्टी का वोट बैंक बन गया। कांग्रेस और नेहरू जो कि पहले प्रधान मंत्री बने उन्होंने इस काम को अंजाम दिया। इस पर भी गांधी की राष्ट्रपिता का खिात देकर उनका चित्र भारत की कंसेरी पर छापा जाने लगा जो आज भी हो रहा है।

लेखक का यहाँ यह प्रश्न है कि पाकिस्तान देश बनने पर जिना तो पाकिस्तान के प्रधान मंत्री बने और डेमोक्रेसी को अलग छिड़कते हुए भारत में सुभाष बोस की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया। फिर भी तत्कालीन राजनीतिज्ञों का पेट नहीं भरा, और गांधी को हराएँ। और नेहरू को चाचा घोषित कर दिया। यह काम कितना मूर्खता का था कि गांधी ने पाकिस्तान बनाया और बांग्लादेश, जबकि वे बटवारे के विरोधी कहे गए। सिद्धान्त: गांधी पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्रपिता होने चाहिये थे। भारत तो बहुत पहले से ही एक राष्ट्र मौजूद था, वहाँ दुबारा कोई पिता कैसे हो सकता है? इस पर भी बटवारे के समय तथाकथित शांति के पुजारी ने इतनी अशांति उत्पन्न कर दी कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से विस्थापित हिन्दुओं की मुसलमानों ने मारकाट,

दशों पर अपना प्रभुत्व कायम किया। आज दुनिया में लगभग 57 देश मुस्लिम हैं और मुस्लिम धर्म को मानने वाले हैं। उनकी विस्तारवादी प्रवृत्ति से अन्य धर्मालम्बी परेशान हैं। हिन्दुओं का केवल भारत देश ही है जो अशोक साम्राज्य के बाद बिफटित होता गया, रही-सही कसर आजादी के बाद बटवारे के फलस्वरूप बने पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पूरी कर दी। बटवारे के समय धर्म के आधार पर मुस्लिमों को पाकिस्तान और बांग्लादेश दे दिए गए, जिससे भारत भूभाग काफी छोटा रह गया। इसके उपरान्त भी गांधी की मुस्लिम परस्त सोच ने बिना किसी विधान और राजनैतिक विचार व कानून के एक बड़ी संख्या मुसलमानों को भारत में रोक ली गयी। किसी ने भी इस पर एतराज नहीं किया और न कहीं आंदोलन हुए। समय के साथ यही वर्ग कांग्रेस पार्टी का वोट बैंक बन गया। कांग्रेस और नेहरू जो कि पहले प्रधान मंत्री बने उन्होंने इस काम को अंजाम दिया। इस पर भी गांधी की राष्ट्रपिता का खिात देकर उनका चित्र भारत की कंसेरी पर छापा जाने लगा जो आज भी हो रहा है।

लेखक का यहाँ यह प्रश्न है कि पाकिस्तान देश बनने पर जिना तो पाकिस्तान के प्रधान मंत्री बने और डेमोक्रेसी को अलग छिड़कते हुए भारत में सुभाष बोस की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया। फिर भी तत्कालीन राजनीतिज्ञों का पेट नहीं भरा, और गांधी को हराएँ। और नेहरू को चाचा घोषित कर दिया। यह काम कितना मूर्खता का था कि गांधी ने पाकिस्तान बनाया और बांग्लादेश, जबकि वे बटवारे के विरोधी कहे गए। सिद्धान्त: गांधी पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्रपिता होने चाहिये थे। भारत तो बहुत पहले से ही एक राष्ट्र मौजूद था, वहाँ दुबारा कोई पिता कैसे हो सकता है? इस पर भी बटवारे के समय तथाकथित शांति के पुजारी ने इतनी अशांति उत्पन्न कर दी कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से विस्थापित हिन्दुओं की मुसलमानों ने मारकाट,

दशों पर अपना प्रभुत्व कायम किया। आज दुनिया में लगभग 57 देश मुस्लिम हैं और मुस्लिम धर्म को मानने वाले हैं। उनकी विस्तारवादी प्रवृत्ति से अन्य धर्मालम्बी परेशान हैं। हिन्दुओं का केवल भारत देश ही है जो अशोक साम्राज्य के बाद बिफटित होता गया, रही-सही कसर आजादी के बाद बटवारे के फलस्वरूप बने पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पूरी कर दी। बटवारे के समय धर्म के आधार पर मुस्लिमों को पाकिस्तान और बांग्लादेश दे दिए गए, जिससे भारत भूभाग काफी छोटा रह गया। इसके उपरान्त भी गांधी की मुस्लिम परस्त सोच ने बिना किसी विधान और राजनैतिक विचार व कानून के एक बड़ी संख्या मुसलमानों को भारत में रोक ली गयी। किसी ने भी इस पर एतराज नहीं किया और न कहीं आंदोलन हुए। समय के साथ यही वर्ग कांग्रेस पार्टी का वोट बैंक बन गया। कांग्रेस और नेहरू जो कि पहले प्रधान मंत्री बने उन्होंने इस काम को अंजाम दिया। इस पर भी गांधी की राष्ट्रपिता का खिात देकर उनका चित्र भारत की कंसेरी पर छापा जाने लगा जो आज भी हो रहा है।

लेखक का यहाँ यह प्रश्न है कि पाकिस्तान देश बनने पर जिना तो पाकिस्तान के प्रधान मंत्री बने और डेमोक्रेसी को अलग छिड़कते हुए भारत में सुभाष बोस की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया। फिर भी तत्कालीन राजनीतिज्ञों का पेट नहीं भरा, और गांधी को हराएँ। और नेहरू को चाचा घोषित कर दिया। यह काम कितना मूर्खता का था कि गांधी ने पाकिस्तान बनाया और बांग्लादेश, जबकि वे बटवारे के विरोधी कहे गए। सिद्धान्त: गांधी पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्रपिता होने चाहिये थे। भारत तो बहुत पहले से ही एक राष्ट्र मौजूद था, वहाँ दुबारा कोई पिता कैसे हो सकता है? इस पर भी बटवारे के समय तथाकथित शांति के पुजारी ने इतनी अशांति उत्पन्न कर दी कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से विस्थापित हिन्दुओं की मुसलमानों ने मारकाट,

की वीरता से मोहम्मद गौरी खोफ खाता था उसने दसियों बार भारत पर आक्रमण किया परन्तु पृथ्वीराज चौहान से उसको शिकस्त ही मिली। और भी राजा उस समय देश में थे लेकिन एक कन्नौज का जयचंद जो उनका सम्बन्धी भी था, चौहान का पुर विरोधी होकर किसी ऐसी युधि में संलग्न था जिससे पृथ्वीराज चौहान को शिकस्त दे सके। इसी योजना के तहत मोहम्मद गौरी जयचंद से मिल कर पृथ्वीराज को मार पाया और देश में मुसलमानों का आवागमन सुगम होता चला गया और मुस्लिम बाबर से लेकर बहादुरशाह तक हिन्दुस्तान पर राज किया और अनेक अत्यचार किये।

अकबर के शासन में जयपुर धारण के तत्कालीन राजा मानसिंह अकबर की सेना के सेनापति होते थे, लेकिन मेवाड़ के महाराणा प्रताप अकेले ऐसे हिन्दू राजा थे जिन्होंने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। यदि देश के तत्कालीन राजा उस समय एकजुट होकर आक्रांताओं का सामना करते तो देश में मुस्लिम और अंग्रेजी शासन कभी नहीं होता। इसलिए अपने-अपने समाज, देश और संस्कृति की सुरक्षा के लिए एकजुटा आवश्यक है। जिस दिन ऐसा हो जायेगा जयचंद लोग चुप बैठ जायेंगे और अन्य देशों के साथ मिल कर भारत को कमजोर करने वाले भी अलग-थलग होकर आम जनता से बहिष्कृत कर दिए जायेंगे। आकाश में जिस प्रकार अनगिनत तारे विचरन करते दीखते हैं सब अपनी-अपनी राह पर और निश्चित दूरी पर ही रहते हैं। ऐसे ही हम सभी एक साथ रहे, एक साथ काम करें और किसी से अनायास ही न भिड़ें। अंत में एकता में ही शक्ति निहित है याद रखे, कोई प्रलोभन आपको अपने उद्देश्य से डिगा न सके, देश को आपसे ऐसी ही आशा है।

-अतिथि लेखक,
प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञान, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर।

ग्राइंडिंग मिनरल्स से निकलने वाली धूल ग्रामीणों के लिये आफत बनी

आसिद, (निंसां)। उपखंड क्षेत्र के बोरेला ग्राम पंचायत के अंतर्गत बाजूदा मार्ग पर रघुनाथपुर की ढाणी के निवासियों का ग्राइंडिंग मिनरल्स से निकलने वाली धूल से जीना दुखार हो रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि आबादी क्षेत्र में संचालित ग्राइंडिंग मिनरल की मिलें पिछले 30 वर्ष से संचालित है तथा इन ग्राइंडिंग मिनरल्स की मिलों में पत्थर पिसाई का कार्य किया जाता है। पत्थर पिसाई के दौरान निकलने वाला अपशिष्ट भी चारगाह भूमि में अस्त-व्यस्त तरीके से डाल रखा है जिससे ग्रामीणों के मवेशियों को विचरन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो मवेशी इन सफेद पाउडर के दण्डल में फंसकर अपने प्राण तक त्याग चुके हैं।

गांव के ही धर्माचंद ने बताया कि उसकी एक चाय की होटल संचालित थी लेकिन इन मिनरल फैंक्ट्री से निकलने वाले धूल के कारण आज बेरोजगार होकर घर पर कृषि कार्य करने को मजबूर हैं। आए दिन मिनरल



कई ग्रामीण सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित होकर अपने दुख की दारता बयां कर रहे हैं।

फैंक्ट्री से निकलने वाले धूल के गुबार होने का खतरा बना हुआ है। पूर्व में भी गांव में पांच सिलिकोसिस के रोगी पाए गए हैं तथा यदि समस्या का निराकरण नहीं होता है तो वहां निवासित परिवारों के सदस्यों को भी इस गंभीर बीमारी

आबादी क्षेत्र में संचालित ग्राइंडिंग मिनरल की मिलें पिछले 30 वर्ष से संचालित हैं

कस्बेवासियों को सिलिकोसिस नामक बीमारी होने का खतरा बना हुआ है

के होने का अंदेश बना हुआ है। कई बार इन मिनरल्स संचालकों को ग्रामीणों के द्वारा समस्या के बारे में अवगत करवाने के बाद भी स्थिति जिस की तस बनी हुई है तथा गांव के ही कुछ लोग जो इन मिनरल्स में काम करते हैं वह भी सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित होकर अपने दुख की दारता बयां कर रहे हैं। सिलिकोसिस नामक गंभीर बीमारी जिसकी पहचान दांत पीले और हड्डी जाम जाम वहां पर ग्रामीणों में देखने को मिली।

कई ग्रामीणों का तो यहां तक

आरोप है कि मिट्टी को फसल बुवाई के दौरान सफेद मिट्टी की समस्या का पुरजोर सामना करना पड़ता है। जिससे फसल खराबी की भी आशंका बनी रहती है।

साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारी जांच के नाम पर केवल लीपापोती करके चले जाते हैं। ग्रामीणों की मांग है कि इन औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे ग्राइंडिंग मिनरल्स फैंक्ट्री से निकलने वाले धूल के गुबार को नियंत्रित करके फिल्टर युक्त मशीन से धूल को फैंक्ट्री में ही संग्रहित किया जाए, जिससे कस्बेवासियों को सिलिकोसिस नामक गंभीर बीमारी होने से राहत मिल सके। ग्रामीणों के द्वारा जब फैंक्ट्री संचालकों से धूल संबंधी समस्या के बारे में बात की गई तो फैंक्ट्री को नियंत्रित करके फिल्टर युक्त मशीन से धूल को फैंक्ट्री में ही संग्रहित किया जाए, जिससे कस्बेवासियों को सिलिकोसिस नामक गंभीर बीमारी होने से राहत मिल सके। ग्रामीणों के द्वारा जब फैंक्ट्री संचालकों से धूल संबंधी समस्या के बारे में बात की गई तो फैंक्ट्री को नियंत्रित करके फिल्टर युक्त मशीन से धूल को फैंक्ट्री में ही संग्रहित किया जाए, जिससे कस्बेवासियों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समस्या का समाधान नहीं होता है तो इस समस्या को लेकर आगामी दिनों में जिला कलेक्टर को अवगत करवाया जाएगा।

प्रदेश के 19 हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के 17 हजार से अधिक पद रिक्त

बीकानेर, (निंसां)। प्रदेश के 19 हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के वर्तमान में 17 हजार से अधिक पद रिक्त चल रहे हैं। हालांकि रिक्त पदों को भरने के लिए लोक सेवा आयोग ने व्याख्याता पदों की भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया है।

आयोग की ओर से लेक्चरर के 24 विषयों में 2202 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अगले महीने 5 नवंबर से शुरू होगी। अर्थात् 4 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे। नई

भर्ती में चयनित अर्धवर्षियों को लेक्चरर पदों पर नियुक्ति के बाद भी पद रिक्त रहेंगे। दरअसल, वर्तमान में रिक्त चल रहे पदों में से नई भर्ती से केवल 12 फीसदी पद ही भर पाएंगे। पिछले साल से सेकंड ग्रेड से व्याख्याता पदों पर प्रमोशन नहीं होने के कारण डीपीसी कोटे के 50 फीसदी पद रिक्त चल रहे हैं। हालांकि शिक्षा विभाग ने शिक्षा सत्र 2021-22 और 2022-23 की डीपीसी के प्रस्ताव आरपीएससी को भिजवाए दिए हैं। लेकिन आरपीएससी से

हालांकि रिक्त पदों को भरने के लिए लोक सेवा आयोग ने व्याख्याता पदों की भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया है, वर्तमान में रिक्त चल रहे पदों में से नई भर्ती से केवल 12 फीसदी पद ही भर पाएंगे

पिछले साल से सेकंड ग्रेड से व्याख्याता पदों पर प्रमोशन नहीं होने से डीपीसी कोटे के 50 फीसदी पद रिक्त चल रहे हैं

फिलहाल डीपीसी का अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ है। यदि दो साल की बकाया

साथ-साथ बकाया प्रमोशन होने पर ही राज्य के स्कूलों में व्याख्याताओं के सभी रिक्त पद भर पाएंगे। राज्य के 19 हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के लगभग 55 हजार पद स्वीकृत हैं।

जिसमें से 37 हजार पदों पर व्याख्याता वर्तमान में कार्यरत हैं। जबकि 17 पद रिक्त चल रहे हैं। दो महीने बाद 12 दिसंबर से अर्धवर्षिक परीक्षा शुरू होनी है। शिक्षक अगले महीने तक बकाया डीपीसी की मांग कर रहे हैं।

राशिफल
सोमवार 4 नवम्बर, 2024

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2081, अनुराधा नक्षत्र सोमवार प्रातः 8:04 तक, सौभाग्य योग दिन 11:39 तक, बालव करण प्रातः 9:14 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरु-वृष, शुक-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज राजयोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, धैरव दूज, यम द्वितीया, विश्वकर्मा दिवस, चित्रगुप्त पूजा, कलम दवात पूजा (बिहार) है। श्रेष्ठ चौघडिया: चर 8:04 से 9:26 तक, लाभ-अमृत 9:26 से 12:10 तक, शुभ 1:32 से 2:55 तक। राहुकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:39

मेघ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। अटक हुए कार्य बने लगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वास्तु सफल रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य बने लगे। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनहोनी की आशंका से बचना हुआ मन का पथ समाप्त होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अर्नागत कार्यों में समय खराब होगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों में अरुही अड़चनें दूर होने लगीं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बने लगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित या

मुख्यमंत्री भजनलाल की घोषणा के मुताबिक 'हाईटेक सिटी' को जयपुर में धरातल पर उतारने की तैयारियां

बताया जा रहा है कि नगरीय विकास विभाग और जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजधानी जयपुर के नजदीक फागी, चाकसू और आगरा रोड पर सर्वे का कार्य पूरा करवा लिया है

कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजधानी जयपुर में "हाईटेक सिटी" की तैयारी तेजी से चल रही है। जमीन को लेकर फागी, चाकसू और आगरा रोड पर सर्वे हो गया है। माना जा रहा है कि जयपुर की हाईटेक सिटी को हैदराबाद के साइबराबाद और अहमदाबाद के गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी है। यही वजह है कि पूर्व में जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) की एक टीम ने अहमदाबाद का दौरा किया था और रिपोर्ट बनाकर राज्य सरकार को भेज दी है। गौरतलब है कि फरवरी में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट लेखानुदान में हाईटेक सिटी की घोषणा की थी। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के मुताबिक जयपुर में प्रस्तावित "हाईटेक सिटी" में हाईटेक टाउनशिप, आई.टी., फिनटेक, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सहित कई आधुनिक तकनीक पर काम करने वाली संस्थानों को इसमें स्थापित किया जाएगा। ऐसा करने से न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था का पहिया तेज गति से घूमेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। वर्तमान में आई.टी. क्षेत्र से जुड़े युवा हैदराबाद, अहमदाबाद, गुरुग्राम सहित अन्य शहरों की रुख कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो जयपुर में हाईटेक सिटी तैयार होने के बाद भविष्य में देश-विदेश की कम्पनियां यहां निवेश करेंगी, इससे रोजगार के द्वार खुलेंगे। आई.टी. हब, साइबर सिटी सहित स्टार्टअप शुरू किए जाएंगे। एक्सपर्ट्स की मानें तो अहमदाबाद की गिफ्ट सिटी के काम में तेजी आते ही वहां के रियल एस्टेट मार्केट में भी ग्रोथ हुई है।

- राजस्थान सरकार इस प्रोजेक्ट में गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' और हैदराबाद के 'साइबराबाद' की तर्ज पर सुविधाएं विकसित करेगी
- माना जा रहा है कि जयपुर में प्रस्तावित "हाईटेक सिटी" में हाईटेक टाउनशिप, आई.टी., फिनटेक, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सहित कई आधुनिक तकनीक पर काम करने वाली संस्थानों को इसमें स्थापित किया जाएगा।
- जयपुर में यह 'हाईटेक सिटी' विकसित करने से न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था का पहिया तेज गति से घूमेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा, क्योंकि वर्तमान में आई.टी. क्षेत्र से जुड़े युवा हैदराबाद, अहमदाबाद, गुरुग्राम जैसे शहरों का रुख कर रहे हैं।

सर्वेक्षण करवाया जा रहा है। गौरतलब है कि वर्तमान में देश में दो बड़ी हाईटेक सिटी हैं। इनमें गुजरात के अहमदाबाद की "गिफ्ट सिटी" में अभी 450 से अधिक कम्पनियां हैं और यहां 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। वर्ष 2020 में यहां 129 कंपनियां थीं। इसी तरह हैदराबाद के "साइबराबाद" में आईटी कारिडोर में माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, टीसीएस से लेकर इंडोसिस, जैसी नामी कम्पनियों के कार्यालय हैं। आइटी क्षेत्र के काम करने वाले हर युवा का सपना साइबराबाद में काम करने का होता है। सूत्रों की मानें तो जे.डी.ए. की एक टीम ने अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद का दौरा किया। रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है। फागी में जेडीए के पास करीब 400 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है वहीं, आगरा रोड स्थित रिंग रोड के पास जेडीए की 100 हेक्टेयर जमीन है। वहीं, बस्सी में जेडीए के पास जमीन कम है। यहां जमीन अवापत करनी पड़ेगी।

ज्ञात रहे कि नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया को बीते दिनों बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने जयपुर विकास प्राधिकरण मुख्यालय में हाईटेक सिटी को लेकर प्रजेंटेशन दिया। प्रोजेक्ट लीडर रमन ने हाईटेक सिटी विकसित करने के विकल्पों, इसके लाभ और रोजगार को लेकर जानकारी दी। प्रजेंटेशन के दौरान उन्होंने शहर से हाईटेक सिटी को कनेक्टिविटी, मिक्स यूज जॉनिंग, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी यूटीलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि हाईटेक सिटी को पहचान दिलाने के लिए सरकार रियायत दे ताकि निवेश के लिहाज से कम्पनियां आएँ। निवेशकों, डेवलपर्स से सम्पर्क साधा जाए। उनको प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में वैभव गालरिया ने बताया कि फागी, चाकसू और आगरा रोड पर जमीन का

सर्वेक्षण करवाया जा रहा है। गौरतलब है कि वर्तमान में देश में दो बड़ी हाईटेक सिटी हैं। इनमें गुजरात के अहमदाबाद की "गिफ्ट सिटी" में अभी 450 से अधिक कम्पनियां हैं और यहां 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। वर्ष 2020 में यहां 129 कंपनियां थीं। इसी तरह हैदराबाद के "साइबराबाद" में आईटी कारिडोर में माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, टीसीएस से लेकर इंडोसिस, जैसी नामी कम्पनियों के कार्यालय हैं। आइटी क्षेत्र के काम करने वाले हर युवा का सपना साइबराबाद में काम करने का होता है। सूत्रों की मानें तो जे.डी.ए. की एक टीम ने अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद का दौरा किया। रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है। फागी में जेडीए के पास करीब 400 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है वहीं, आगरा रोड स्थित रिंग रोड के पास जेडीए की 100 हेक्टेयर जमीन है। वहीं, बस्सी में जेडीए के पास जमीन कम है। यहां जमीन अवापत करनी पड़ेगी।

सूदखोरों से तंग आकर बिजनेसमैन ने घर छोड़ा

■ पीड़ित व्यापारी ने अपने परिजनों के नाम पत्र छोड़ा, जिसमें लिखा है कि "उसने 5 लाख रु. उधार लेकर 17.50 लाख रु. चुका दिए, फिर भी उससे 5.72 लाख रु. और मांगे जा रहे हैं, इसलिए मेरे पास अब मरने के सिवा और कोई रास्ता नहीं है।"

जयपुर। दिवाली से एक दिन पहले, सूदखोरों की धमकियों से परेशान होकर राजधानी जयपुर के प्रताप नगर इलाके में एक बिजनेसमैन घर छोड़कर चला गया। जाने से पहले उसने अपने परिवार को तीन पत्र लिखकर पीड़ा व्यक्त की। इनमें से एक पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित है, जबकि दो अन्य परिवार के लिए हैं। बताया जा रहा है कि पत्र में व्यवसायी ने लिखा है कि, उसने 5 लाख रुपए उधार लेकर अब तक 17.50 लाख रुपए चुका दिए हैं, लेकिन सूदखोर अब भी 5.72 लाख रुपए का दावा कर उसे धमकियां दे रहे हैं। पीड़ित ने लिखा कि 'मेरे पास मरने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है, मेरा शव पानी में मिलेगा। मामला प्रताप नगर इलाके का है। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने व्यवसायी की तलाश शुरू कर दी है। गोमती अपार्टमेंट, प्रताप नगर निवासी ममता सैनी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनके पति कमल किशोर सैनी कुतियों का ऑनलाइन व्यवसाय करते हैं, उन्होंने मई 2016 में रामफूल और अभिषेक पारीक से 5 लाख रुपए उधार लिए थे। कमल ने 17.50 लाख रुपए चुकाए, फिर भी सूदखोर धमकी देते रहे और लगातार अवैध वसूली का दावा बनाते रहे। दो गाड़ियां भी छीन ले गए। धमकियों और वसूली से परेशान होकर दिवाली से एक दिन पहले कमल घर छोड़कर चले गए। उनका मोबाइल नंबर बंद आ रहा है, जिससे उनका पता नहीं चल सका है। ममता ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि उनके पति से जबरन कागजात पर हस्ताक्षर करवा लिए गए थे। इसके अलावा, रामफूल ने मोबाइल पर रिवांल्वर की फोटो भेजकर धमकाया, जो कमल ने सुरक्षित रखने के लिए ममता को भेज दी थी। उनके लिखे हुए तीन पत्र फ्रिज के ऊपर रखे मिले, जिनमें से एक में उन्होंने सूदखोरों की धमकियों और वसूली के बारे में लिखा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सालासर बालाजी मंदिर में की पूजा

राजस्थान के विधानसभा उपचुनाव में सातों सीटों पर भाजपा की जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को सालासर बालाजी धाम पहुंचकर दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली और आगामी विधानसभा उपचुनाव में सातों सीटों पर भाजपा की विजय के लिए पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन पदाधिकारियों ने मदन राठौड़ को तिलक निकालकर दुपट्टा पहनाया और विशेष पूजा कराई। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राठौड़ का गर्म जोशी से स्वागत किया।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को सालासर बालाजी धाम पहुंचकर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति में देश का युवा विश्वास जता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से देश की आंतरिक और ब्राह्म सुरक्षा को मजबूत करने का काम किया है, उसी प्रकार वैश्विक पटल पर भी राष्ट्र का मान बढ़ाया है। देश का युवा, महिला, किसान और गरीब हर वर्ग मोदी की योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का चहुंमुखी विकास हो रहा है जो राजस्थान में सुरक्षा और स्थिरता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति-नीति पर विश्वास करता है। इन ही कार्यकर्ताओं की बढौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बन पाया है। भाजपा देश के अन्य राजनीतिक दलों से पूर्ण रूप से भिन्न है, क्योंकि यहां पारदर्शी रूप से आंतरिक लोकतंत्र की

कार्य पद्धति पर कार्य किया जाता है। मदन राठौड़ ने कहा कि जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों की भी जिम्मेदारी निभानी होगी। राठौड़ ने कहा कि उपचुनावों में भाजपा की सभी सातों सीटों पर जीत से जहां सरकार को और अधिक मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के उत्साह में भी अतृप्य वृद्धि देखने को मिलेगी।

मस्तान बाबा का 3 दिवसीय उर्स पांच नवंबर से

जयपुर। अलहाबाद अमीर अब्दुल्ला खान उर्फ मस्तान बाबा का सालाना 19 वां उर्स मुबारक मंगलवार से यहां दिल्ली रोड स्थित चुंगी नाका दरगाह परिसर में शुरू होगा। दरगाह खादिम करीम शेख के मुताबिक, तीन दिवसीय उर्स के पहले दिन सुबह कुरआनखानी और रात में मीलाद शरीफ पढ़ा जाएगा। उर्स के दूसरे दिन महफिल-ए-समा में शहर की कच्चाल पार्टियों कोल, नात, मनकबत आदि सुफी कलाओं का गुलदस्ता पेश करेंगी। इसी दिन फूर्त-खुर्रा स्थित लाल हवेली से चादर शरीफ पेश की जाएगी। इसके साथ ही महफिल-ए-कच्चाली भी होगी, जिसमें अमीन साबरी कच्चाल अपनी प्रस्तुति देंगे। उर्स के समापन पर तीसरे दिन यहां चादर बाबा स्थित डागर हाउस से मस्तान बाबा के आस्ताने पर चादर शरीफ पेश की जाएगी। इस दौरान डागर हाउस में कच्चाली भी होगी।

सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर वाल्मीकि समाज विरोध करेगा

जयपुर। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले वाल्मीकि समाज की ओर से सफाई कर्मचारी भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को एक विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। यह विशाल धरना-प्रदर्शन गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर दिया जाएगा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग किशनलाल जैदिया ने बताया कि वाल्मीकि समाज कई मांगों को लेकर सोमवार को गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। वर्तमान में चल रही सफाई भर्ती प्रक्रिया में सम्मूहता शर्तों की पालना नहीं किए जाने से सफाई कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते वाल्मीकि समाज के लोग विरोध प्रदर्शन में वह भाजपा सरकार से यह मांग करेंगे कि सफाई भर्ती प्रक्रिया में वाल्मीकि

समाज के अध्येतियों को प्राथमिकता दी जाए और साथ ही आवेदन की तिथि बीस दिन बढाई जाए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों की भर्ती मस्टररोल के आधार पर की जाए। जिसमें एक साल तक पहले कर्मचारी से काम कराया जाए, उसके बाद नियुक्ति दी जाए। साथ ही पूर्व की जिन भर्तियों में कोर्ट में मामला विचाराधीन है या जिन पर निर्णय हो चुका है उनमें नियुक्ति के आदेश जारी किए जाए। किशनलाल जैदिया ने बताया कि भर्ती में वाल्मीकि समाज को अनदेखा किया गया है। वाल्मीकि समाज का हक छीनकर अन्य को वरीयता दी जा रही है, जो सरासर गलत है अगर सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करती है कि तो सम्पूर्ण राजस्थान में वाल्मीकि समाज द्वारा प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बदमाशों ने युवक से मोबाइल छीना

जयपुर। लाल कोठी इलाके में बस का इंतजार कर रहे युवक का बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीन कर फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी भी कराई लेकिन बाइक सवार बदमाशों का कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि महावीर नगर दुर्गापुरा निवासी अवधेश दाधिक गुरुवार सुबह 10 बजे अमजरी गेट बस स्टैंड पर बस के इंतजार में खड़ा था। तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर उसे धक्का देकर फरार हो गए। पीड़ित ने बदमाशों को पकड़ने के लिए शोर मचाया, लेकिन तेज रफ्तार बाइक सवार बदमाश कुछ ही देर में आंखों से ओझल हो गए। घबराहट में पीड़ित बाइक के नंबर भी नहीं देख पाया।

महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के कृतित्व और व्यक्तित्व पर विद्वानों ने साझा किए अपने विचार

■ राजस्थानी कवियों ने ढुंढाड़ी भाषा में सुंदर काव्य पाठ से समां बांधा

हाइनेस महाराजा सवाई पचनाभ सिंह की पहल पर हुआ। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा बसाये गए जयपुर शहर को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज सिटी के रूप में पहचान मिली है। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय एक असाधारण व्यक्तित्व थे, जिन्हें एस्टीमोमी, गणित, ज्योतिष, वास्तुकला और खगोल

विज्ञान का अद्भुत ज्ञान था। उन्होंने अपनी राजधानी जयपुर सहित भारत के कई स्थानों पर जंतर मंतर ऑब्जर्वेटरीज का निर्माण भी कराया। संस्कृत कालिङ के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, सुभाष चंद्र शर्मा ने महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से 11 वर्ष की उम्र आयु में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने राज्यभार संभाला था और उन्हें औरंगजेब से सवाई की उपाधि मिली थी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सवाई जयसिंह द्वितीय पहले ऐसे शासक थे, जिन्होंने 105 कुंडीय यज्ञ सम्पन्न कराया था। वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार, जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि पृथ्वी राज चौहान के बाद महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय पहले ऐसे राजा थे,

जिन्होंने हिंदू धर्म को आगे बढ़ाने के लिए सभी हिंदू शासकों को एक साथ लाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि जयपुर के संस्कृत साहित्य संरक्षण और वैदिक विद्वानों पर एक पुस्तक लिखी गई है, जिसका जल्द ही विमोचन किया जाएगा। सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, एवं वैदिक चित्रकार रामू रामदेव ने अपने द्वारा चित्रों के माध्यम से महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जीवनी, जंतर-मंतर और अश्वमेध यज्ञ पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाराजा सवाई जयसिंह कला प्रेमी थे और उन्होंने देश भर से कलाकारों को जयपुर में लाकर बसाया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उनकी कला के नाम से मोहल्ले भी बनवाए और उनकी आजीविका को व्यवस्था भी की।

देश-विदेश के 44 कलाकार जयपुर में उकेरेंगे आकृतियां

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में देश-विदेश के 44 कलाकारों की अनूठी कला यात्रा रविवार को शुरू हुई। इस यात्रा में यह कलाकार जयपुर की कला-संस्कृति का वॉटरकलर वर्कशॉप टूर के जरिए जीवंत करेंगे। आयोजक शिखा गर्ग ने बताया कि इस यात्रा के तहत रविवार शाम को देश-विदेश के कलाकार जयपुर पहुंचेंगे। भारत के साथ-साथ स्वीडन, यूएसए, आस्ट्रेलिया, ताइवान और थाईलैंड के कलाकारों की कला यात्रा सोमवार को होटल ग्रांड उनियारा में शुरू होगी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वॉटरकलरिस्ट सभी कलाकारों वाटर कलर से पेंटिंग बनाना सिखाएंगे। शिखा गर्ग ने बताया कि यह वर्कशॉप पूरे दिन चलेगी। 4 नवंबर को सभी कलाकार सुबह 8 बजे सबसे पहले जलमहल पर वाटर कलर से पेंटिंग बनाएंगे। इसमें आमर-नाहरावट की पेंटिंग बनाएंगे। प्रतिभागियों को जयपुर की संस्कृति और सुंदर धरोहर जानने और उससे पेंटिंग में उतारने का अवसर मिलेगा। चूंकि जयपुर की शानदार वास्तुकला और समृद्ध इतिहास पूरी दुनिया के लिए उदाहरण है। कलाकार अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वॉटरकलरिस्ट एंडी एवांसन के मार्गदर्शन में अपनी कला कौशल को निखार सकेंगे। एंडी लैंडकेस, रोशनी जाते हैं।

“हम अपने दिव्यांग बहनों और भाइयों के लिए एक समावेशी और सुगम्य भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।”

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सशक्त दिव्यांगजन समर्थ भारत

सामाजिक अधिकारिता शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण

1,304 लाभार्थियों को सहायक उपकरणों का मुफ्त वितरण

खर्च का पूरा वहन भारत सरकार द्वारा

शिविरों में नए लाभार्थियों के लिए भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध

04 नवम्बर, 2024, चित्तौड़गढ़, राजस्थान प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें

www.depwd.gov.in

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में बदलाव

अब तक 17 हजार से अधिक शिविरों में 29 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को सहायक यंत्र और उपकरण वितरित, साथ ही 6,794 से अधिक कॉन्विलयर इम्प्लान्ट सर्जरियां की गईं।

प्रवेश निःशुल्क

दिव्यांगजन सहायक उपकरणों के लिए सीधे <https://adip.depwd.gov.in> पर आवेदन कर सकते हैं

10 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों के लिए डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड तय किया

जयपुर। राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। रखरखाव, मॉनिटरिंग मामले में एकरूपता नहीं होने से इंजीनियर व प्रशासनिक अफसर भी धिरेते रहे। ऐसी स्थिति को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने पहली बार विकास प्राधिकरण, आवासन मंडल और नगर विकास न्यासों के काम पर डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (डीएलपी) यानि अनुबंधित फर्म द्वारा ठीक करने की मियाद) एक समान रूप से लागू कर दिया है। इसमें विकास कार्यों की गुणवत्ता और अनुबंधित फर्म की जिम्मेदारी के लिए एक समान नियम होंगे। डी.एल.पी. 6 माह से 5 वर्ष तक रहेगी।

■ राज्य सरकार ने विकास प्राधिकरण, आवासन मंडल और नगर विकास न्यासों के लिए बनाया नियम

10 लाख रुपए से अधिक लागत के कार्यों पर यह लागू होगा। सड़कों के पेच रिपेयर में यह नियम लागू नहीं होगा। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। अभी तक हर निकाय ने अपने-अपने नियम बनाए हुए हैं। सूत्रों की मानें तो यदि कार्य 10 लाख रुपए से कम का है, लेकिन अतिरिक्त कार्य के कारण उसकी लागत 10 लाख रुपए से अधिक हो

जाती है तो उस पूरे काम पर डी.एल.पी. का नियम लागू होगा। यदि कार्य 10 लाख रुपए से अधिक का था, लेकिन काम पूरा होते समय किसी कारणवश उसकी लागत 10 लाख रुपए से कम रह जाती है तो डीएलपी का नियम काम पूरा होने के बाद छह महीने तक या मानसून तक, दोनों में जो भी बाद में उस अवधि तक लागू रहेगा। आदेश के मुताबिक फ्लाइंगोवर व आरओबी पर यह समयावधि 5 वर्ष होगी। इसके अलावा क्रॉस ड्रेनेज वर्क, सीमेंट कंक्रीट सड़क, पेवमेंट क्वलिटी कंक्रीट, सीमेंट कंक्रीट टाइल्स, कर्व स्टोन, मॉडियन व नाला निर्माण पर भी डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड 5 वर्ष का रहेगा। टू लेयर डब्ल्यूबीएम, जीएसबी सड़क निर्माण 6 माह या

मानसून तक (दोनों में से जो अवधि बाद में हो) रहेगा। सड़क नवीनीकरण, 30 एम.एम. मोटाई की डामर सड़क पर यह समयावधि 2 वर्ष होगी। 30 से लेकर 90 एमएम मोटाई वाली डामर सड़क के लिए यह समयावधि 3 वर्ष रखी गई है। इसी प्रकार चारदिवारी निर्माण कार्य के लिए 3 वर्ष, 90 एमएम से अधिक मोटाई वाली सड़क संबंधी कार्य के लिए 5 वर्ष, 90 एमएम तक की मोटाई वाली नई डामर सड़क के लिए 3 वर्ष, 90 एमएम से अधिक मोटाई वाली नई डामर सड़क के लिए 5 वर्ष तथा सैनेट्री, विद्युत व पेंटिंग कार्य के लिए 3 वर्ष तय किए गए हैं। जबकि भवन निर्माण-अन्य सिविल कार्य के लिए यह समयावधि 5 वर्ष होगी।

ई.डी. के असिस्टेंट डायरेक्टर को धमकी देने व चोरी का आरोपी गिरफ्तार

जुलाई माह में पीड़ित अधिकारी ने अलवर गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था

अजमेर, (कासं)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के असिस्टेंट डायरेक्टर जयकिशन हिंगोरोनी के घर में चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में फरार आरोपी आलोक भारद्वाज को गिरफ्तार किया है। जुलाई माह में पीड़ित अधिकारी ने अलवर गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

जानकारी के अनुसार एमडी कॉलोनी नाका मदार निवासी जय किशन हिंगोरोनी ने 28 जुलाई को अलवर गेट में चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने अपने पड़ोसी आलोक भारद्वाज पर आरोप लगाया था कि उसने उनके घर से सीसीटीवी चोरी कर लिए। आरोपी ने दिल्ली से धमकी भरे वीडियो भेजे थे, जिसमें उसने दावा किया था कि एक बटन दबाने से वह हिंगोरोनी के पूरे परिवार को खत्म कर सकता है। हिंगोरोनी वर्तमान में राजकोट (गुजरात) में पोस्टेड हैं और घटना के चलते उनके परिवार को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मुखबिर



पुलिस ने धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को उसके घर के पास गार्डन से गिरफ्तार किया है। राजकोट में तैनात है

हिंगोरोनी—जयकिशन हिंगोरोनी का पुरतैनी मकान अलवर के नाका मदार इलाके में स्थित है। वे राजकोट में तैनात हैं। हिंगोरोनी के पड़ोसी

आलोक पर पहले भी 2020 में उसकी पत्नी के साथ बदसलुकी का मामला दर्ज हुआ था, जो अभी न्यायालय में लंबित है। हिंगोरोनी ने

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को उसके घर के पास गार्डन से गिरफ्तार किया

पुलिस को बताया था कि आरोपी ने उन्हें वीडियो कॉल कर जान से मारने की धमकी दी थी। हिंगोरोनी ने इन वीडियो को राजकोट के त्रिलोक वाग थाने में प्रस्तुत कर नए सिरे से मामला दर्ज करवाया था।

थाने के हैड कांस्टेबल रूपसिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले दर्ज मामलों की जांच पहले से ही चल रही थी। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू किए थे, जिसमें सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद जांच के दायरे को बढ़ाया है। आरोपी अपने आपको थू-थूबर पत्रकार बताता है। दिल्ली और आस पास के क्षेत्र में सोशल साइट पर वीडियो अपलोड करता है।

गर्दन में नुकीला पाइप मारकर मजदूर की हत्या की

शव झाड़ियों में छिपाया, पुलिस ने दो आरोपियों को डिटन किया

बीकानेर, (निर्सं)। रीको के करणी औद्योगिक क्षेत्र में ऊन मिल में काम करने वाले मजदूरों ने साथ बैठकर शराब पी। नशा सिर के चढ़कर बोला तो आपस में झगड़ पड़े। इस दौरान एक युवक के सिर और गर्दन में सीमेंट का नुकीला पाइप मारकर उसकी हत्या कर दी गई और शव झाड़ियों में छिपा दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को डिटन किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

बिहार के छपरा जिले में फिरसा फूलरिया निवासी पप्पू शाह (33) करणी औद्योगिक क्षेत्र में कोठारी वूलन मिल में काम करता था। उसकी फैक्टरी में चौकीदारी का काम करने वाला गोविन्दा, पड़ोस की वूलन में काम करने वाला विपुल और अन्य लोगों ने शुक्रवार को शाम को दो नंबर रोड पर पानी की टंकी परिसर में बैठकर शराब पी और नशे की हालत में आपस में झगड़ पड़े। बात इतनी बढ़ गई कि युवकों ने वहां पड़े सीमेंट के नुकीले पाइप से पप्पू शाह

शराब पीने के बाद नशे की हालत में झगड़ पड़े थे

के सिर, गर्दन व शरीर के अन्य हिस्सों में बार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मुक्ताप्रसाद नगर पुलिस थाना एसएचओ धीरेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार को सुबह पानी की टंकी परिसर में झाड़ियों में शव देखकर लोग इकट्ठा हो गए। इतला मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीबीएम अस्पताल के मुद्दाघर में रखवाया। हत्यारों की खोजबीन शुरू की गई और शक होने पर गोविन्दा और विपुल को डिटन कर लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। आपस में झगड़ा क्यों हुआ, पुलिस को अभी इसका पता नहीं चल पाया है। पप्पू शाह के भाई मिथलेश शाह ने रिपोर्ट दी है जिस पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

सुबह पानी की टंकी परिसर में झाड़ियों में पप्पू शाह का शव पड़ा होने पर भीड़ जमा हो गई। मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और पहचान की। फैक्टरी मालिक को बताया गया और इतला मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। शाम पांच बजे के आसपास फैक्टरी के सीसीटीवी में पप्पू शाह अपनी मां और भाभी के साथ नजर आया।

इस दौरान चौकीदार गोविन्दा भी वहां आता दिखा जो पप्पू शाह को अपने साथ ले गया। रात को गोविन्दा और एक अन्य शख्स फैक्टरी में आते दिखे। लेकिन, पप्पू शाह उनके साथ नहीं था। पुलिस ने गोविन्दा से पूछताछ की तो पहले उसने गुमराह करने का प्रयास किया। बाद में हत्या की वारदात का खुलासा कर दिया और विपुल के बारे में पुलिस को जानकारी मिल गई। पुलिस ने विपुल को भी डिटन कर लिया।

नौ लाख रूपये के जाली नोट व बाइक जप्त

पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया

युवकों ने एक-दूसरे पर पटाखे फेंके

सरवाड़, (निर्सं)। शहर में घास भैरू की सवारी घूमघाम के साथ निकली। वहीं घास भैरू की सवारी के दौरान शनिवार की रात्रि को जलते हुए पटाखों के बीच घास भैरू की सवारी निकालकर नगर परिक्रमा करवाई जा रही थी। शहर में शनिवार की रात्रि के समय निर्धारित समय पर शहर के माली मोहल्ले से घास भैरू की सवारी शुरू हुई वहीं घास भैरू की नगर परिक्रमा के दौरान मौके पर मौजूद युवकों द्वारा एक दूसरे पर जलते हुए पटाखे फेंके गए। यही परिक्रमा ट्रेक्टर के द्वारा घास भैरू की सवारी निकाली गई। वहीं युवकों ने ट्रेक्टर पर भी जलते हुए पटाखे फेंके।

बालोतरा, (निर्सं)। डीएसटी बालोतरा व जसोल पुलिस ने रविवार को करीब नौ लाख रूपये के जाली नोट व मोटरसाइकिल जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

बालोतरा पुलिस अधीक्षक कुन्दन कंवरीया ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जारी दिशा निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं अनिल

पुरोहित आरपीएस, वृत्ताधिकारी बालोतरा के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम बालोतरा व चन्द्रसिंह उनि, थानाधिकारी जसोल के नेतृत्व में गठित अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा जाली नोटों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुल्जिम भरत कुमार के कब्जे से करीब 9 लाख रूपये के जाली नोट बरामद कर भरत कुमार को गिरफ्तार किया।

डीएसटी बालोतरा को सूचना मिली कि भरत कुमार पुत्र हरचंद्रमाली निवासी मालीया का वास बोरवास तिलवाडा हाल गांधीपुरा बालोतरा के

कब्जा में भारी मात्रा में जाली नोट बरामद हो सकते हैं। भरत कुमार जाली नोटों को असली में उपयोग में ले रहा है। सूचना पर चन्द्रसिंह उनि, थानाधिकारी जसोल मय जिला स्पेशल टीम बालोतरा द्वारा नाकाबंदी की गई। दौरान नाकाबंदी भरत कुमार पुत्र हरचंद्रमाली को दस्तयाब कर तलाशी ली गई तो भरत कुमार के पास 500-500 रूपये कुल 1795 नोट (8,97,500 रूपये) पाये गए। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जप्त कर आरोपी भरत कुमार से जाली नोट लाने व उपयोग में लेने के संबंध पूछताछ की जा रही है।

खेत पर रोटावेटर मशीन में फंसने से युवक के टुकड़े-टुकड़े हुये

मशीन को खोलकर शरीर के टुकड़े निकाले और प्लास्टिक तिरपाल में लपेटकर शव को अस्पताल पहुंचाया

राजसमंद, (निर्सं)। जिले के केलवा थाना क्षेत्र में जेतपुर गांव में एक खेत पर एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। खेत की जुताई के वक्त रोटावेटर मशीन में उलझने से ट्रेक्टर व मशीन चालक की दर्दनाक मौत हो गई। मशीन में फंसने से उसके शरीर के कई टुकड़े हो गए। बाद में मशीन को खोलकर शरीर के टुकड़े निकाले और प्लास्टिक तिरपाल में लपेटकर क्षत विक्षत शव को अस्पताल पहुंचाया। घटना स्थल पर पहुंचे लोग भी हालात देखकर स्तब्ध रह गए। कमजोर दिल वाले लोग तो नजदीक भी नहीं जा पाए। शव का

मशीन में फंसी घास को निकालने के दौरान हादसा हुआ, घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर

केलवा अस्पताल में पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। केलवा थाना प्रभारी ओम सिंह चुंडावत ने बताया कि जेतपुरा पंचायत के सैनवास निवासी नारायण गुर्जर (33) पुत्र छगनलाल उर्फ छगू गुर्जर ट्रेक्टर चालक है, जो डिंगरोल निवासी दिनेश पुत्र किशनलाल गुर्जर का ट्रेक्टर व रोटावेटर चलाता है। जेतपुरा गांव में कितेला तालाब के पास मांगीलाल गुर्जर के खेत पर जुताई के लिए ट्रेक्टर

मय रोटावेटर मशीन लेकर नारायण गुर्जर पहुंचा था। खेत की हकई की जा रही थी, तभी मशीन में घास फंस गई, जिसे निकालने के लिए नारायण गुर्जर ट्रेक्टर से नीचे उतरा और मशीन के पास गया, तभी मशीन चालू होने से वह मशीन में घुस गया। हादसे के वक्त मौके पर खेत मालिक मांगीलाल गुर्जर का पुत्र गणेश व किशनसिंह पास में ही मौजूद थे, जो दौड़कर पहुंचे, मगर तब तक नारायण

गुर्जर मशीन में बुरी तरह से फंस चुका था। सूचना पर केलवा थाने से हैड कांस्टेबल विनोद मय जाबने के घटना स्थल पर पहुंचे। मशीन को खोलकर शव के टुकड़ों को एकत्रित कर तिरपाल में लपेटकर केलवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मोर्चरी में रखवाया। अब प्रकरण की जांच सहायक उप निरीक्षक रूपसिंह द्वारा की जा रही है। रोटावेटर मशीन के अंदर लगी ब्लेड (लोहे की पत्ती) में उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए थे। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

हादसे में ट्रेक्टर चालक की दर्दनाक मौत

राजसमंद, (निर्सं)। खड़े चालू ट्रेक्टर को बंद करने के लिए नीचे से हाथ ऊपर किया, तो चाबी तो नहीं निकली और गिर चलने से चल पड़े ट्रेक्टर के टायर तले लागकर कुचला गया। गंभीर घायल चालक को आरके जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। यह हादसा राजसमंद जिले में केलवा थाना क्षेत्र के सार्दूल गांव में हुआ।

ट्रेक्टर की चाबी निकालने के प्रयास में गियर लग गया था

साफ-सफाई के लिए नीचे उतरा। ट्रेक्टर की सफाई करने के बाद खड़े चालू ट्रेक्टर को बंद करने के लिए चाबी घुमाने का प्रयास किया, तभी गियर पर हाथ लग गया। इससे चाबी नहीं निकली और ट्रेक्टर चल पड़ा और वह नीचे

खड़ा होने से ट्रेक्टर के बड़े टायर तले कुचला गया। एक हाथ व सिर में गंभीर चोट लग गई। दुर्घटना के बाद उसे तत्काल आरके जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया गया। उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में उपचार के दौरान मुरलीलाल तेली ने दम तोड़ दिया। बाद में केलवा थाने से पुलिस उदयपुर के एमबी चिकित्सालय पहुंची, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद सार्दूल गांव में कोहराम मच गया और बड़ी तलाश में परिजन, रिश्तेदार व ग्रामवासी गांव में एकत्रित हो गए।

युवक ने आत्महत्या की

बीकानेर, (निर्सं)। मोहतासराय में एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पिता ने आरोप लगाया है कि पुत्र को उसकी पत्नी प्रताड़ित करती थी जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। मोहतासराय क्षेत्र में नाले के पास रहने वाले फतह अली ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके पिता हुसैन अली ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाते हुए फतह की पत्नी के खिलाफ गंगाशहर पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि फतह की पत्नी रोजाना झगड़ा करती थी और मरवाने की धमकी देती थी। इससे परेशान होकर फतह ने आत्महत्या कर ली।

युवक ने आत्महत्या की

इंगरपुर, (निर्सं)। सदर थाना क्षेत्र के पालबड़ा गांव में एक युवक ने घर के पास पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के लोग खेतों पर गए हुए थे। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाने के हैड कॉन्स्टेबल दिनेश कुमार ने बताया कि पालबड़ा निवासी नितेश फनात ने रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया है कि वह किसी काम से खेरवाड़ा गया था। वहीं, परिवार के लोग खेतों पर गए हुए थे। उसका भाई देवीलाल फनात घर पर अकेला था। जब देवीलाल की पत्नी खेतों से लौटी तो देवीलाल घर के पास बबूल के पेड़ से लटका हुआ था। पति को फंदे से लटका देख वह चिल्लाई। जिस पर परिवार के लोग अन्य लोग भी मौके पहुंचे। देवीलाल को फंदे से नीचे उतारा और उसे इंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आये। जहां परा डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

सड़क दुर्घटना में सास-बहू की मौत

शराब के नशे में पिकअप चालक ने कार को टक्कर मार दी थी

सादुलपुर, (निर्सं)। राजगढ़ के वार्ड नंबर 36 में एक ही परिवार में सास-बहू की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पहले बहू की अर्था निकली तथा दूसरे दिन सास की मौत होने के कारण अर्था निकली। रविवार को गिरफ्तारी में सड़क हादसे में उपचार के दौरान सास बहू की मौत हो गई।

अपने रिश्तेदारी में गमी में शामिल होने के लिए कार में सवार होकर जा रहे एक ही परिवार के लोगों के सामने से शराब के नशे में दौड़ता हुआ एक पिकअप जीप चालक पिक जीप को लेकर आया तथा उनकी कार को टक्कर मार दी, जिसके कारण बहू की मौके पर ही मौत हो गई तथा सास ने उपचार के दौरान दूसरे दिन दम तोड़ दिया। जबकि अन्य सभी लोग घायल हो गए। मौजूद पुत्र सीताराम नाई वार्ड 36 राजगढ़ में भादरा थाने में मामला दर्ज करवाकर बताया कि 30 अक्टूबर 2024 को उसका भाई मुकेश राजगढ़ से इंगरपुरा की तरफ जा रहा था, उसका भाई मुकेश अपनी कार

को खुद चला रहा था। उसके साथ उसकी माता सुंदर देवी, भाभी कविता देवी पत्नी मुकेश, मामा देवकीनंदन, भाई गोपाल कार में सवार थे। जब कार भाड़ी मोड़ गौशाला के पास पहुंची तो एक पिकअप जीप चालक पिकअप को सामने से तेज गति और लापरवाही से चलाता हुआ लाया और कार को सीधी टक्कर मार दी तथा तेज गति से टक्कर लगने के कारण कार पलटा खा गई। जिसमें सभी को चोट आई। मौके पर एंबुलेंस से सभी को भादरा अस्पताल पहुंचाया तथा भाभी कविता की मौत हो गई। अस्पताल से उसके माता सुंदर देवी मामा देवकीनंदन, भाई मुकेश तथा गोपाल की हालत गंभीर होने के कारण के हिसार रेफर कर दिया। तथा उपचार के कारण उसकी माता सुंदर का भी निधन हो गया। दर्ज मामले में बताया कि पिकअप जीप चालक की लापरवाही से दुर्घटना घटित हुई तथा बाद में वह हिसार पहुंचा तो देखा कि उसका भाई गोपाल होश में था। जिसने घटना की जानकारी दी।

युवक पर चाकू से हमला

बीकानेर, (निर्सं)। बड़ी जसोलाई क्षेत्र में बाबा रामदेव मंदिर के पास एक ही गली में रहने वाले दो युवक आपसी रंजिश में झगड़ पड़े। इस दौरान एक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया जिससे उसके पीठ और गर्दन पर चोटें आई हैं। बड़ी जसोलाई में बाबा रामदेव मंदिर के पास एक ही गली में रहने वाले प्रताप और मुकेश में अनबन चल रही थी। शाम को दोनों आपस में झगड़ पड़े। इस दौरान प्रताप ने चाकू से मुकेश पर वार किए। वारदात के बाद फरार हुए प्रताप को पुलिस ने शांतिघर में गिरफ्तार किया है। मुकेश के चाचा की किशनलाल मेघवाल की ओर से कोटगेट थाना पुलिस को रिपोर्ट दी गई है।

वहीं जयमलसर में देर रात को जयमलसर बाइपास मार्ग पर पर पशु गोड़ी बचाने के चक्कर में बोलेरो कैपर गाड़ी अनियंत्रित होकर एक दीवार से जा टकराई। इसमें कैपर में सवार दो जनों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बोलेरो में जितेंद्र सिंह भाटी, कालू सिंह भाटी और जितेंद्र का पुत्र भैरू सिंह सवार थे। घायलों को ग्रामीण इलाके के लिए हॉस्पिटल ले गए। रास्ते में कालू सिंह ने दम तोड़ दिया। जितेंद्र सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। वहीं जितेंद्र के बेटे भैरू सिंह का पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

युवक पड़ोस में चल रही बर्थ डे पार्टी से लौट रहा था

इंगरपुर, (निर्सं)। बाइक पर आए दो बदमाशों ने युवक के पेट और सोने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। युवक पड़ोस में चल रही बर्थ डे पार्टी से लौट रहा था। मामला रामसागड़ा थाना क्षेत्र के गामड़ी अहाड़ा अमूलवा फला का शनिवार रात करीब नौ बजे का है।

युवक की हत्या से परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हैं। उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार करने और मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इसे लेकर वे आरोपियों के घरों के पास ही बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहौल है। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस तैनात है। परिजन को समझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू को बरामद कर लिया है।

रामसागड़ा थानाधिकारी गोपालनाथ ने बताया कि गामड़ी अहाड़ा अमूलवा फला निवासी कांति पुत्र

परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग की, आरोपियों के घरों के पास ही बैठकर प्रदर्शन जारी

तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस तैनात, परिजन को समझाने के प्रयास किए

रंजिया डामोर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया कि उसका बेटा पंकज डामोर (18) गुजरात के मोरबी में मजदूरी करता था। दीपावली के लिए वह पांच दिन पहले घर आया था। शनिवार शाम पंकज पड़ोस में रहने वाले सुरेश की छोटी बेटे भावना के बर्थ डे की पार्टी में डीजे पर चल रहे डांस कार्यक्रम को देखने गया था। मां बाड़ी केंद्र स्कूल के पास के रास्ते से होते हुए पैदल ही घर लौट रहा था। इसी दौरान पंकज के पीछे से एक बाइक पर राकेश डामोर निवासी कांकरादरा और राहुल कोटेड निवासी रातापानी आए। उन्होंने

बाइक रोकी। बाइक पर पीछे बैठे राहुल ने नीचे उतर कर पंकज के गले में हाथ डाला। फिर चाकू निकाल कर पंकज के सोने और पेट में वार किए। इससे पंकज लहलुहा होकर वहीं गिर पड़ा। दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। अचानक हुए इस हमले से पंकज के साथ चल रहे अन्य युवक घबरा गए। युवकों के चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़कर आए। गंभीर घायल पंकज को निजी वाहन से इंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव मॉर्च्युरी में रखवाया है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

सादुलपुर, (निर्सं)। सिद्धमुख थाने के गांव चैनपुरा छोटा के पास भादरा से पैदल खाटूरग्राम जी जा रहे एक श्रद्धालु को एक मोटरसाइकिल चालक द्वारा तेजगति व लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाकर पीछे से टक्कर मारने से मौत हो गई। रविवार सुबह 11 बजे मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद सिद्धमुख थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया।

थानाधिकारी रामकरण सिद्ध ने बताया कि महेन्द्र सिंह पुत्र सादुल सिंह राजपूत निवासी इंगरबास पीएस भादरा जिला हनुमानगढ़ ने दी रिपोर्ट में बताया है कि आज सुबह 6.15 बजे उसका चचेरा भाई सुरेश सिंह भादरा से खाटूरग्रामजी पैदल जा रहा था। जब सुबह चैनपुरा छोटा के नजदीक पहुंचा तो पीछे से मोटरसाइकिल के चालक ने अपने मोटरसाइकिल को तेज गति गफतत लापरवाही से चलाकर उसके चचेरे भाई सुरेश सिंह के टक्कर मार दी। जिससे सुरेश सिंह की दुर्घटना से आई चोटों के कारण मौके पर मौत हो गई। सिद्धमुख थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

चप्पल के गोदाम में लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख

जलते पटाखे से चप्पल के गोदाम में लगी आग भीषण हो गई थी

बिजयनगर, (निर्सं)। भटेवड़ा गली में स्थित सज्जन एजेंसी के चप्पल गोदाम में शुक्रवार रात्रि को भीषण आगजनी की घटना में लाखों रूपए की चप्पल का स्टॉक जलकर राख गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि को आतिशबाजी के दौरान भटेवड़ा गली में जलते पटाखे से चप्पल के गोदाम में लगी आग देखते-देखते भीषण आग में तब्दील हो गई। चप्पल के गोदाम में धुएँ को देखकर आस पड़ोस के लोगों ने पानी से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग बुझाने में विफल रहे।

आगजनी की सूचना गोदाम मालिक सज्जन बिरावत को दी गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल बोहरा ने मौके पर पहुंचकर प्रशासनी की घटना की सूचना पुलिस आगजनी देते हुए पालिका प्रशासन को अवगत करवाया। थाना अधिकारी करण सिंह



सज्जन एजेंसी के चप्पल गोदाम में भीषण आग से माल जल गया।

खंगारोत आगजनी की सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचे नगर पालिका अग्रिमन एवं आगूचा माईस

धुएँ को देखकर आस पड़ोस के लोगों ने पानी से आग बुझाने की कोशिश की

जगह-जगह शहर की सजावट के लिए लगाए गए लगे हुए टेंट की वजह से अग्रिमन वाहन को घटनास्थल पर पहुंचने के लिए काफी मशकत करनी पड़ी। भटेवड़ा गली संकरी होने के कारण दमकल कर्मचारियों को भी काफी मशकत करनी पड़ी। दीपावली के दूसरे दिन शहर में हड़दींगियों द्वारा एक दूसरे पर पटाखे फेंकने की परंपरा से निपटने के लिए पुलिस को काफी मशकत करनी पड़ी। शहर में देर रात्रि तक पटाखों के धमाकों की आवाज गूंजती रही पुलिस द्वारा कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया।

जेल में कैद भाईयों को राखी बांधते हुए बहनों की आंखों में छलके आंसू

पुख्ता सुरक्षा के बीच जयपुर सेंट्रल जेल में मनाया गया भाई दूज का पर्व

जयपुर (कास)। केंद्रीय कारागार में रविवार को भाई दूज मनाई गई। भाई दूज पर भाईयों को तिलक लगाने के लिए करीब 550 से अधिक बहने सेंट्रल जेल पहुंची। बढ़ती भीड़ को देखते हुए जेल प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। इस मौके पर जेल परिसर में भावुक माहौल दिखाई दिया। जेल परिसर में बहनों



भाई-बहने के अटूट प्रेम व विश्वास के पानव पर्व 'भाई दूज' पर रविवार को जयपुर सेंट्रल जेल में महिलाओं का भीड़ उमड़ी। जेल की सलाखों में कैद अपने भाईयों को रक्षा सूत्र बांधते हुए बहनों की आंखों में आंसू छलक पड़े।

■ करीब 550 से ज्यादा महिलाओं ने जेल पहुंचकर बांधी भाईयों को राखी

ने सलाखों के बीच में से भाईयों को तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी आयु की कामना की। जयपुर जेलर राकेश मोहन शर्मा ने बताया कि भाई दूज के उपलक्ष्य पर सुरक्षा की दृष्टि से जेल में तिलक लगाने आई बहनों को बिना जांच के जेल परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। वैसे तो जेल में बंदियों की मुलाकात के लिए सप्ताह में दो से तीन दिन का समय रहता है। लेकिन त्योहार को

देखते हुए जेल प्रशासन की ओर मुलाकात के लिए कुछ छूट दी गई। तिलक लगाने आई बहनों अपने भाईयों से मुलाकात के लिए 4 से 5 बजे तक का समय दिया गया। जेल प्रशासन की ओर से जेल में तिलक लगाने आई बहनों के सामान की

पुख्ता जांच की गई। इसी के साथ जेल में बनी कैदीयों में भी मिठाई की व्यवस्था की गई। ताकी कैदी कैदीन से मिठाई ले सकें। भाई दूज पर जेल में आने वाली बहनों की भीड़ को देखते हुए जेल प्रशासन ने एक दिन पहले ही पुख्ता

तैयारी कर ली। जेल प्रशासन ने बिना पर्ची और मोहर के किसी को भी जेल परिसर में एट्री नहीं दी। पर्ची और मोहर लगाने के साथ ही सामान की तलाशी के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की व्यवस्था की गई। सलाखों के पीछे खड़े अपने भाई को

तिलक लगाते समय बहने अपने आंसू नहीं रोक सकी और काफी भावुक नजर आई। बहनों को रोता देख कैदी भाई की आंखों से भी आंसू झलक पड़े। बहनों ने अपने भाईयों से विदा में अपराध नहीं करने की कसम दिलाई।

दिया कुमारी ने किया खींवर में 'कमल' खिलाने का आह्वान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को खींवर उपचुनावों में भाजपा को जिता कर कमल खिलाने का आह्वान किया। वे खींवर में एक दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थीं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में अब डबल इंजन की सरकार है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास की कड़ी से कड़ी जुड़ चुकी है और अब खींवर की कड़ी भी जोड़ने का समय आ गया है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर, सुरेश रावत, राज्य मंत्री मंजू बाघामार और विजय सिंह चौधरी, विधायक केसावत चौधरी, अतुल भंसाली, आदुराम मेघवाल, भाजपा प्रत्याशी रेवतराम डांग, नागौर जिला अध्यक्ष रामनिवास सांखला और प्रदेश प्रवक्ता अशोक सेठी भी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी रेवतराम डांग के समर्थन में अपील करते हुए कहा कि यह बहुत जरूरी है कि खींवर में भी ऐसा विधायक बने कि जनता के सारे काम तुरंत हो और खींवर किसी भी मायने में पीछे नही रह जाये। इसके लिए भाजपा विधायक बनना बहुत जरूरी है और आप मतदाता के रूप में भाजपा को अपना समर्थन दे। दिया कुमारी ने मातृशक्ति से विशेष रूप से भाजपा को जिताने का आह्वान किया।

स्वच्छता में जयपुर की रैंकिंग देश के टॉप-3 शहरों में लाएं : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, "जयपुर के हैरिटेज संरक्षित रखने और शहर की सफाई की जिम्मेदारी ना केवल सरकार और प्रशासन की है, बल्कि नागरिकों की भी है"

जयपुर (कास)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुर के संस्थापक और उनके पूर्व महाराजा सवाई जयसिंह की जयंती के मौके पर स्टेचू सफाई कर दी। इस मौके पर जयपुर नगर निगम हैरिटेज की महापौर कुसुम यादव भी मौजूद थीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर को एक नियोजित शहर के रूप में बसाया गया था जो अपने स्वच्छता और चौड़ी सड़कों के लिए विख्यात था और आज भी हम जयपुर शहर की सड़कों पर योजनाबद्ध तरीके से बनी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुर के संस्थापक और पूर्व महाराजा सवाई जयसिंह की जयंती के मौके पर स्टेचू सफाई कर दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर को एक नियोजित शहर के रूप में बसाया गया था जो अपने स्वच्छता और चौड़ी सड़कों के लिए विख्यात था और आज भी हम जयपुर शहर की सड़कों पर योजनाबद्ध तरीके से बनी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जयपुर अब एक यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी है और ये हम सब की जिम्मेदारी है कि हम जयपुर की विकास तो संजोने का काम करें। दिया कुमारी ने जोर दे कर कहा कि हैरिटेज के मामले में देश के टॉप तीन शहरों में शामिल करने के प्रयास किये जायें। महापौर कुसुम यादव ने भी कहा कि हैरिटेज नगर निगम प्रशासन जयपुर

शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधारने के लिए दिन-रात प्रयास कर रहा है। स्वच्छता सैनिक भी अपनी ड्यूटी पूरी जिम्मेदारी से निभा रहे हैं। रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को मजबूत किया है। आमजन की सफाई में सहयोग की जरूरत है।

राजपूत सभा भवन में भी पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ

जयपुर। जयपुर संस्थापक महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय की 337वीं जयन्ती पर "राजपूत सभा भवन" में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। साध्व्यक्ष राम सिंह चन्दलाल ने जयपुर संस्थापक सवाई जय सिंह के जीवन चरित्र व उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय एक दूरदर्शी, आदर्श और राजा, वीर योद्धा, श्रेष्ठतम नगर नियोजक, कुशल प्रशासक, ज्योतिष विज्ञान के महान ज्ञाता थे। संगठन में भी सिंह शेखावत ने बताया कि श्री राजपूत सभा प्रतिवर्ष 3 नवम्बर को जयंती पर रक्तदान शिविर लगाती है, जो इस बार 17 नवंबर को होगा।

कहासुनी के बाद दो भाईयों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया

वारदात के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हुआ, पुलिस तलाश में जुटी

जयपुर (कास)। जयसिंहपुरा खोर इलाके में रहने वाले दो भाईयों के बीच मामूली कहासुनी ने विकराल रूप धारण कर लिया। गुस्से में आग बबूला हुए एक भाई चाकू से ताबड़तोड़ वार कर अपने ही दो भाईयों को बुरी तरह से घायल कर दिया। लहलुहान हालत में दो भाईयों को पड़ोसियों ने अस्पताल भिजवाया। जहां से उपचार के बाद दो भाईयों को छुट्टी दे दी गई। मेडिकल इतला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू

■ जयसिंहपुरा खोर इलाके में दो भाईयों के बीच आरोपी ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया

कर दी है। पुलिस के मुताबिक, नाई की थड़ी निवासी शाहिद, शाबिर और ताहिर कुरैशी तीन भाई हैं। शनिवार रात को तीनों भाईयों में पारिवारिक बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते

ही देखते शाहिद व शाबिर व ताहिर में हाथापाई शुरू हो गई। गुस्साए ताहिर ने चाकू से शाहिद व शाबिर पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। ताहिर ने शाहिद व शाबिर को लहलुहान हालत में जमीन पर गिरा देखा मौके से फरार हो गया। परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से दो भाईयों को घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सम्मोहित करके गहने लूटने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर (कास)। महेश नगर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हिण्टोनाइज (सम्मोहित) कर गहने लूटने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस पुछताछ में सामने आया है कि दोनो बदमाश चंदा मांगने के बहाने अपार्टमेंट में घुसे और युवती को हिण्टोनाइज कर गहने लूट कर फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि 24 अक्टूबर को स्वेज फॉर्म स्थित समृद्धि अपार्टमेंट में आरोपी जसवीर उर्फ सोनू निवासी बड़ोदिया बस्ती, सुंदर पथ, अरविंद नगर और डिंपल सिंह निवासी बड़ोदिया बस्ती चंदा मांगने के बहाने अपार्टमेंट में घुसे और श्रीवस्तन की बेटी श्रीनिधी को हिण्टोनाइज कर गहने लूट कर फरार हो गए थे। पुलिस ने अपार्टमेंट और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को लूटी गई चैन बरामद कर ली है।

घर में बने गार्डन में आग लगी

जयपुर (कास)। श्याम नगर इलाके में शनिवार देर शाम घर में बने गार्डन में भीषण आग लग गई। जिससे आसपास दहशत का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन दमकलों की सहायता से आग पर काबू पाया। लेकिन आग बुझाने से पहले ही गार्डन में रखा सारा सामान आग की भेंट चढ़ गया और लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। एएफओ तपेंद्र सिंह ने बताया कि श्याम नगर में स्थित कृष्णा मार्ग पर एक घर के अंदर बने गार्डन में देर शाम करीब 7 बजे अचानक से आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग से गार्डन में रखा लाइव डेकोरेशन का सामान व एक बाइक जल कर राख हो गई। सूचना पर दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने करीब 1 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के पुख्ता कारणों का कुछ पता नहीं चला है।

साार-समाचार पटाखों से जलकर 80 से ज्यादा लोग पहुंचे एस.एम.एस. अस्पताल

जयपुर। दीपावली पर आतिशबाजी और पटाखों से जलने से अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि दीपावली लेकर गोवर्धन तक करीब अस्सी से ज्यादा मरीज इमरजेंसी में आ चुके हैं। इसमें आठ से दस मरीज की स्थिति गंभीर थी। उनको भर्ती करके इलाज करना पड़ा। इसमें ज्यादातर मामलों में आंखों के खराब होने से संबंधित है। इनकी सर्जरी की गई। एसएमएस में ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट (नेत्र रोग विभाग) के एचओडी और सोनियर प्रोफेसर डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि उनके यहां आठ मरीज ऐसे थे, जिनकी आंखें पटाखे चलाने से प्रभावित हुईं। इनमें से तीन के ऑपरेशन शुरूवार को किए गए और पांच के ऑपरेशन शनिवार को किए गए। उनकी टीम ने पूरे दिन आंटी चालू रखकर सभी मरीजों के ऑपरेशन कंप्लीट किए हैं। डॉक्टर शर्मा ने बताया कि घायल मरीजों में सभी बच्चे हैं। उनकी आंखों में बारूद जाने या विंगारी लगने से इतना ज्यादा नुकसान हुआ है कि इनमें से छह बच्चों के विजन खत्म होने की स्थिति में है। ऑपरेशन कर दिया है, अब देखना है कि विजन (रोशनी) वापस आती है या नहीं? उन्होंने बताया कि एक बच्ची के तो दोनो आंखों में गहरी चोट लगी है, जिसका भी ऑपरेशन किया है।

पर्स लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार



जयपुर। जवाहर सर्किल पुलिस एक बाइक सवार बदमाश को फिल्मी स्टायल में गिरफ्तार कर वारदात के काम में ली गई बाइक बरामद की है। बाइक सवार बदमाश युवती का पर्स छीनकर भाग रहा था। तभी पुलिस ने बैरिकेड लगाकर दिया। जिससे बाइक सवार बदमाश बैरिकेड से टक्कर गया और नीचे गिर पड़ा। गिरने के बाद भी बाइक सवार बदमाश ने लंगडाने हुए भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य वारदात खुलने की संभावना जता रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि गुस्वार को महेश नगर निवासी कृति जैन अपनी बहन के साथ मालवीय नगर स्थित गौरव टावर में खरीदारी करने के लिए आई थी। बेस्टसाइड शोरूम से निकलते वक्त तेज रफ्तार बाइक सवार ने कृति जैन के हाथ से पर्स छीन लिया और भागने लगा। तभी दोनो बहनों ने शोर मचा दिया। शोर-शराबे की आवाज सुन किस्टल के तैयार हुए और आंसूआइ अमर सिंह ने बाइक सवार को पकड़ने के लिए दौड़ लगा दी और धक्का देकर बैरिकेड लगा दिया। जिससे तेज रफ्तार बाइक सवार बदमाश बैरिकेड से टक्कर गया और नीचे गिर पड़ा। बाइक सवार बदमाश ने बैरिकेड से टक्करने के बाद भी लंगडाने हुए भागने का प्रयास किया, लेकिन एएसआइ अमर सिंह ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। अमर सिंह ने मौके पर ही जगतपुरा स्थित मनोहरपुरा कच्ची बस्ती निवासी मुकेश बैरवा को गिरफ्तार कर लूट का पर्स और वारदात के काम में ली गई बाइक बरामद कर ली

'कार्तिक जैसा कोई पवित्र माह नहीं'



जयपुर। आस्था के पानव केंद्र श्री अमरापुर स्थान जयपुर में रविवार से पवित्र कार्तिक माह का प्रारंभ श्री मंद भागवत गीता, कार्तिक महात्म्य की कथा एवं श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ साहिब के पाठों के शुभारंभ के साथ हुआ। प्रातः काल की मधुर बेला में प्रातः नित्य नियम प्रार्थना, संत महात्माओं द्वारा भजन संकीर्तन व स्वामी भगत प्रकाश महाराज की ओजस्वी वाणी में सत्संग का श्रवण हुआ। स्वामी भगत प्रकाश ने कहा कि "कार्तिकसमो मासो न कृतेन समं युग्मं। न वेदसदृशं शास्त्रं न तीर्थं गंगा समम्।" अर्थात्- कार्तिक के समान दूसरा कोई मास नहीं, सत्ययुग के समान कोई युग नहीं, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है। संत मोनुराम महाराज ने बताया कि कार्तिक माह में नाम जप, स्नान, दान का विशेष महत्व है। सोमवार 4 नवंबर से प्रातः 6-7 बजे तक प्रभात फेरि (हरि नाम संकीर्तन) तत्पश्चात नित्य नियम प्रार्थना, कार्तिक महात्म्य की कथा, भजन सत्संग का आयोजन होगा। जो कि 15 नव तक चलेगा।

दीपावली स्नेह मिलन 17 नवंबर को

जयपुर। सारस्वत ब्राह्मण समाज, जिला जयपुर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह 17 नवंबर को परशुराम भवन विद्याधर नगर, जयपुर में आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए सारस्वत ब्राह्मण समाज, जिला जयपुर के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा महामंत्री सुरेश सारस्वत ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह के अवसर पर विभिन्न परीक्षाओं में 80 प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों सहित प्रतियोगिता परीक्षाओं में चर्चान्वित तथा खेलकूद में राज्य और अखिल भारतीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। महामंत्री सुरेश शर्मा का सम्मान भी किया जायेगा। इस अवसर पर अतिथि आयु के बुजुर्गों का सम्मान भी किया जायेगा। 80 वर्षों के समान अंकों और चित्रकला प्रतियोगिता भी होगी। समारोह में समाज की एकजुटता और भावी कार्यक्रमों पर भी मंथन होगा।

नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

जयपुर (कास)। जवाहर सर्किल पुलिस ने नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो आदतन शातिर नकबजनों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि जिला जयपुर पूर्व क्षेत्र के रिहाराशी इलाकों में लगातार हो रही चोरी की वारदातों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इस पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व आशाराण चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर आदित्य पुनिया के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर की सूचना व तकनीकी सहायता से आरोपियों के सम्भावित ठिकाने पर लगातार निगरानी कर दिवश दी। जिसमें आरोपियों को दस्तखत कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने बताया कि 9

■ पुलिस ने पुछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया

अक्टूबर को मालवीय नगर निवासी नकुल चंद ने मामला दर्ज कराया था कि जो परिवार सहित यूएसए विदेश अपने पुत्र से मिलने के लिए गए हुए थे। वापस जयपुर लौटने पर मकान का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर सामान संभावने पर 2 सेट चांदी के कुंडल, गले की चेन, अंगुठी 2 सेट चांदी की पाजेब, 5 सिक्के चांदी के 20 ग्राम वाले एवं नकद लगभग 20 हजार रुपए, इस तरह लगभग एक लाख रुपये से ज्यादा का सामान चोरी हो गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी व मुखबिर की सूचना पर

मोहम्मद शोएब (21) निवासी रोड काली कोठी दरवार स्कूल, झोटवाडा निवासी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से गहनता से पुछताछ की तो शोएब ने अपने साथी के साथ वारदात करना स्वीकार कर लिया। इस पर पुलिस ने शोयब को प्लेजर्डी, स्वास के गंग, अस्थमा, दमा को आरोपी से पुछताछ के बाद वारदात को अंजाम देने वाले सलीम शेख (30) प्रताप नगर निवासी हाल किराएदार थानकोटा, शिवाड मोड निवासी को भी मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का कुछ सामान भी बरामद किया है। आरोपियों ने शहर में अलग-अलग जगहों पर नकबजनी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने पुछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

राजस्थान जैन युवा महासभा ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह में समाजसेवी ज्ञान चन्द झांझरी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

जयपुर (कास)। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के दीपावली स्नेह मिलन समारोह और सुगन्ध दशमी के मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई झांकियों व दशलक्ष महापर्व के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सम्मान समारोह भट्टारकजी की नर्सियों में आयोजित किया गया। इस मौके पर गणमान्य श्रेष्ठजनों सहित युवा एवं महिला संगठनों के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधानु कासलीवाल ने की। समाजश्रेष्ठ शिव कुमार जैन, सीए सुनील जैन गोधा, सुनील पहाडिया, पार्षद वरकर जैन पटेल, दीपा राजस्थान अरबन कॉर्पोरेटिव बैरक के चैयरमन कृष्ण कुमार टांक, समाजसेवी अजय काला विशिष्ट अतिथि थे। जिला अध्यक्ष संजय पाण्डेय एवं जिला महामंत्री सुभाष बज ने बताया कि



राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से प्रतिभा सम्मान व स्नेह मिलन समारोह हुआ।

अतिथियों ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर जैन सिटीजन फाउंडेशन जयपुर को मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के

लिए सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्था के रूप में सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध समाज सेवी ज्ञान चन्द झांझरी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, आर्किटेक्ट तुषार सोगानी को जैन युवा रत्न एवं

■ सेवा के क्षेत्र में कार्यरत जैन सिटीजन फाउंडेशन ट्रस्ट और 2 युवाओं के साथ-साथ 17 झांकियों और 15 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पुरस्कृत किया

सेलेबल टेक्नोलॉजी के को-फाउंडर एवं सीईओ अनिरुद्ध काला को जैन यूथ आईकन अवार्ड से नवाजा गया। जैन सिटीजन फाउंडेशन ट्रस्ट का अवार्ड संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गोधा, अध्यक्ष प्रमोद पहाडिया, सचिव सीए मनोज चांदवाड, अशोक जैन कोटलर एवं जे जैन नेमीसागर ने ग्रहण किया। समारोह में सुगंध दशमी पर्व 2024 के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई 17 झांकियों, दशलक्ष महापर्व के दौरान मंदिरों में आयोजित 15 सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सम्मानित किया गया।

निःशुल्क अस्थमा मुक्ति शिविर पांच नवंबर से

जयपुर। मौजूदा भाग दौड़ की स्थिति से उत्पन्न होने वाले और अनियमित खानपान और प्रदूषण की वजह से उत्पन्न एलर्जी, स्वास के गंग, अस्थमा, दमा को दूर करने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा व आयुर्वेद बेहतर पद्धतियां हैं।

पंचतत्व फाउंडेशन ट्रस्ट के मुख्य चिकित्सक डॉक्टर मोहित बीजाका ने बताया 5 नवंबर से शुरू होने वाले शिविर के प्रथम दिन से शामिल होने वालों का ही प्राकृतिक तरीके से इलाज किया जाएगा। शिविर का आयोजन इसी ट्रस्ट के तत्वधान में विजयबाड़ी, प्रभात कॉलोनी मुरलीपुर स्थित पंच

तत्व आश्रम में सुबह 9 से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। डॉ. मोहित बीजाका ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मिट्टी चिकित्सा, भाप चिकित्सा, मसाज, एनिमा और प्राकृतिक भोजन शैली बदलकर किया जाएगा। इससे मरीजों को फेफड़े, घुटने, पेट एवं सभी अंगों को भी आराम मिलता है। ट्रस्ट के प्रधान न्यासी सी.एम. बीजाका ने बताया कि शिविर में कैसर जैसे गंभीर रोगों के साथ जानु बस्ति, कटि बस्ति और सार्विक, रज्जिक और तांसिक आहार के माध्यम से चिकित्सा की जायेगी।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

जयपुर। पंच दिवसीय दीपोत्सव के तहत मुख्य वाटिका रोड स्थित, आशादीप ग्रीस कॉलोनी के निवासियों ने दीपावली स्नेह मिलन समारोह धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर सरकार द्वारा तय समय सीमा में, रात्री 8 से 10 समयावधि के बीच प्रदूषण रहित ग्रीन पटाखों व आतिशबाजी का लुत्क उठाया। सभी ने मिलकर एक दूसरे का अभिवादन किया व मुंह मीठा करवाया, अल्पाहार लिया तथा दीप जलाए। रंग-बिरंगे, नये परिधानों में बच्चों व अन्य सभी लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। नयनभाराम मॉडनो व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर, सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर, प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना, प्रेमचंद, हिषी डैन, संगीता सक्सेना, अनुज, ऋचा सक्सेना, रागिनी शर्मा, गीता, नीता गुप्ता, आभा जैन, ऋषि, ममता, तनु, भावना मौजूद थे।

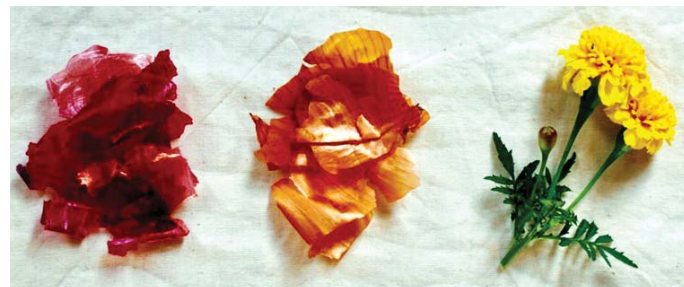
#POST CELEBRATIONS

What To Do With Used And Leftover Flowers?

Diwali flowers and garlands brighten up our homes, but they often dry out and are tossed out the next day. But do you know that the flowers can be repurposed to better uses, the next day?



Diwali is incomplete without flowers, especially the yellow and orange marigold flowers. These are used in decorations, rangolis while flowers, like rose petals, are used in prayer rituals. While flowers stay fresh on Diwali day, the petals start to wither the next day, which is when most people start discarding them. But did you know that you can repurpose them in many ways? With a bit of creativity, you can turn these seemingly dead flowers into beautiful and practical items for the home. You can make incense sticks, perfume, and even fertiliser from them,



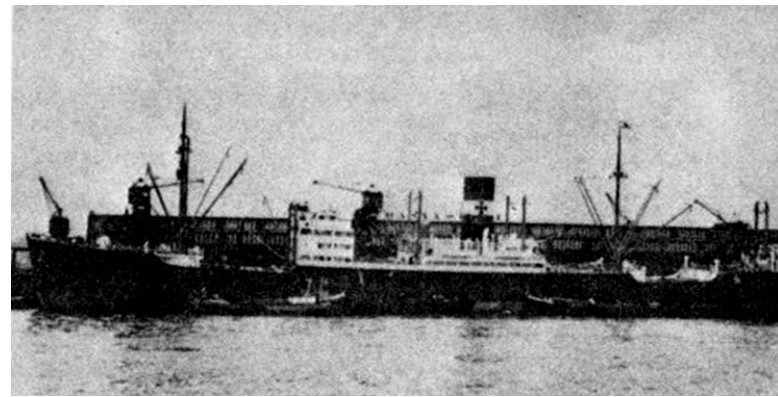
Best Ways to Recycle Used Flowers After Diwali

- Make Incense Sticks:** Dry and grind the used flowers, and then add sandalwood powder and camphor to the mix. Shape them into incense sticks that will fill your home with a refreshing and positive aroma.
- Perfumed:** For a delightful, homemade fragrance, use scented flowers like rose or jasmine. Boil the petals in water and extract their essence. Pour it into a bottle to use as a natural perfume that will bring fresh vibes into your space.
- Make Compost:** Dry and grind the flowers to create a natural fertiliser that promotes healthy plant growth. This easy-to-make compost is an excellent way to nourish your plants.
- Create Natural Colours:** Extract colours from the flowers for use on fabric or paper. Marigold provides a yellow shade, roses give pink colour, and hibiscus produces a red tint.
- Make Potpourri:** Combine dried flowers with cinnamon, cloves, and orange peels to create homemade potpourri. Place it in a corner of your home to enjoy a gentle fragrance that will linger throughout the space.

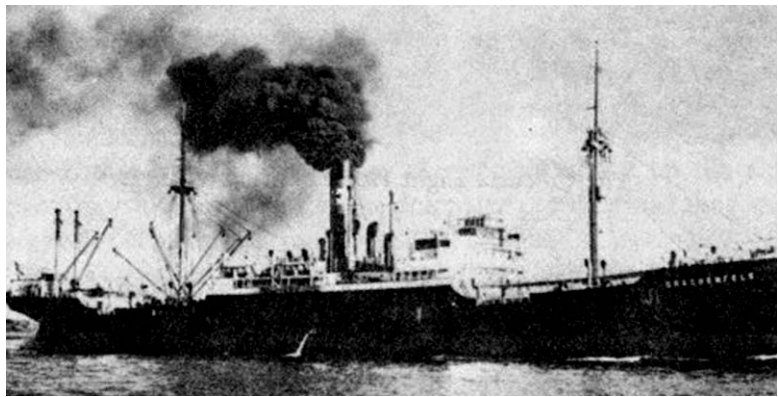


The prime German surveillance target of the British was a man named Robert Koch, who, along with his wife, was suspected of being the main Nazi spy in Goa. "They are being watched, but our agents are unable to discover that they are engaged in wireless transmitting activities," the Bombay intelligence officer wrote. "Being Germans, they must have been naturally jubilant over the fall of Greece but I have no information that they illuminated their house." The captains of the Ehrenfels, Braunfels and Drachenfels were regular visitors to the Kochs' Panjim home. Over the next few months, British intelligence officers stepped up their watch on Koch, who they suspected was using a radio set to transmit news to the Germans. "Certain expensive radios of German and Japanese make can be used for transmission," an anonymous express note, sent to the Intelligence Bureau in 1941, said. "This particular radio set is seen to leave Koch's sanctum pretty frequently. It is said for repairs. This set, which is in constant use, cannot be needing repairs so often." The note added that a man with a 'lavish lifestyle' like Koch could easily buy a new set, instead of annoying himself with constant repairs. "The only conclusion is that Koch is probably acting under advice from Berlin and having transformers or the coils changed each time, to transmit on a different wavelength," the note said. "He is no doubt transmitting on a short wavelength, probably very much below 7 M or so."

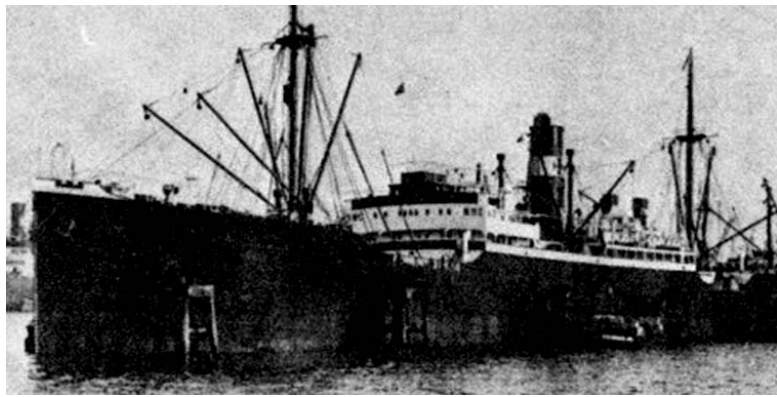
How a British Spy Operation dragged Goa into Second World War



Ehrenfels.



Drachenfels.



Braunfels.

• Ajay Kamalakaran

In the beginning of the Second World War in 1939, three German ships found themselves in the Indian Ocean, far from Allied-controlled waters and uncomfortably close to the enemy's stomping ground. The crews must have been nervous. This was a time when both sides in the war, the Allies and the Axis, were attacking merchant vessels since they were soft targets. The German ships had to find a safe place and the one, they settled on, was Goa.

Goa was then a colony of neutral Portugal and its residents greeted the German freighters, the Ehrenfels, Braunfels and Drachenfels, and their crews with a mixture of curiosity and congeniality. To the British, though, they were a major security threat, a possible means for the Nazi regime to spread German propaganda in Goa.

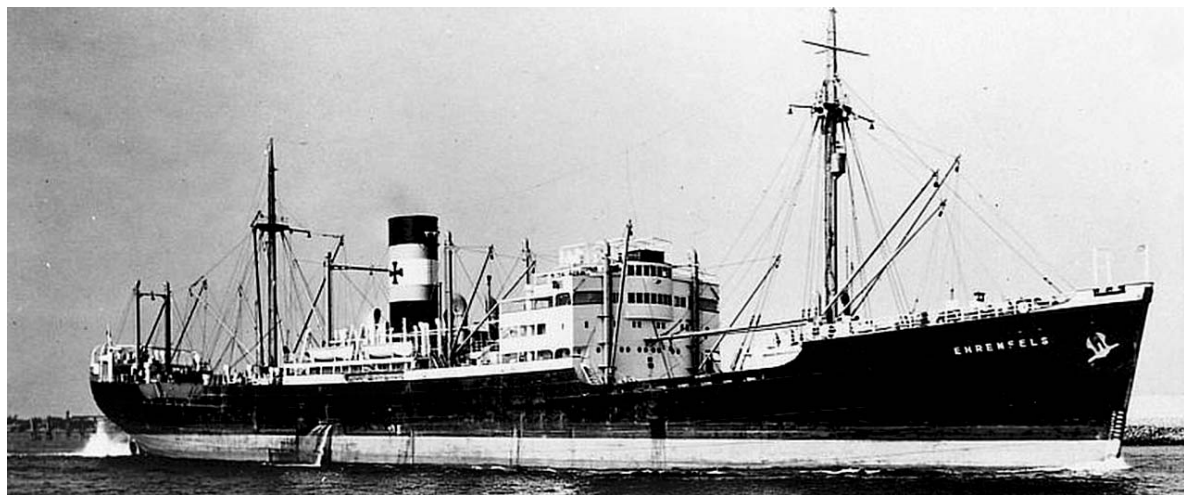
"I am informed by a Goan (British subject), who lately spent a month in Goa, that there are about 300 members of the crew of the three German steamers lying in Marmagao," said a source report, supplied to the Special Branch of the Bombay Police, dated June 19, 1940. "These crews are under no restriction of movement and can go around the whole country, partly using motorboats,

with which they go around the backwaters. They make friends with the younger generation. Every Sunday, they arrange football matches at various places and they make best use of all these occasions to spread Nazi propaganda."

The report added that the sailors had radio reception apparatus and arranged for broadcast of German news in Goa. "Goanese and Portuguese officers and officials are rather worried about government impasse," the Germans is said to be so strong that it has led to dissension and trouble in Goanese families. The elder generation knows only too well that the peace of Portugal and its colonial possessions is a Pax Britannica, the younger generation, on the other hand, sees the salvation in Nazism." Adding to British fears was the fact that the frontier between British and Portuguese territories was virtually unguarded. They pondered over the prospect of the German sailors crossing over to British India and blowing up railway tracks. "The fact that most of these Germans are young, trained men, living under a stress of boredom, should be borne in mind as a strong possible incentive for such exploits," the source report said.

The Special Branch shared this report with Intelligence Bureau officers, who felt that the allegations were greatly exaggerated. They, however, decided to send

#HISTORY REMEMBERED



Das Frachtmotorschiff Ehrenfels, 1936 | Staatsarchiv Bremen/ Wikimedia Commons.

experienced intelligence officers to Goa to see what the German sailors were actually up to.

Watchful Eye

An officer from Bombay travelled to Goa in June 1940, just days after the source report was submitted to the Intelligence Bureau in 1941. "Parties of five or more German sailors off the three ships, refuelling in Marmagao harbour, frequently visit Margao and Vasco da Gama, where they move in the streets and frequent cheap drinking saloons," the officer from Bombay wrote, adding that the Germans play football with the locals and watch matches with them. Stripped of a means of living, some of the sailors desperately looked for ways to sustain themselves. "Other errands on which members of the crew and the petty officers of the Braunfels, with the help of their captain and the convenience of the Portuguese Customs, seem to be engaged, are

smuggling into Goa handbags and small parcels of Bayer's preparations," the officer wrote. "Customs authorities, and on one occasion, the Commandant of the Margao Police, have been seen in the company of the personnel from the Braunfels, suspected to be in the possession of Bayer's drugs." The officer noticed divisions in the Goan society over the Second World War. Most members of the older generation supported the British, but among the young, many were pro-Germany. "Like the youths, sections of the Goan intelligentsia, including certain European Portuguese officers, have Nazi sympathies," the officer said.

There was a potential risk that these divisions between Axis and Allies supporters may snowball into larger social problems. "Such partisanship, I am told, results, on occasions, in open quarrels," the officer cautioned.

Media Matters

British officials were in regular touch with the Portuguese authorities in Goa to ensure that they remained neutral during the war. "The Governor-General told

me, at the outbreak of the war, that if the Germans in his territory became truculent, he would intern the crews and impound the ships," the officer wrote. "I have no information that he has resiled from this attitude." The fact that the intelligence officer could meet the governor-general shows that he was possibly a very high ranking official in the government.

Another British agent visited Goa, after the officer from Bombay, to write a secret report. This agent reported that the press in Goa was tightly censored and generally favoured Britain.

"In Panjim, I spoke to the sub-editor of the *O Herald*, who showed me that all the news that they have is derived from British broadcasts and German broadcasts in English, from the Times of India, *The Bombay Chronicle*," the agent wrote. "Longer articles are sometimes taken from 2 months old Portuguese (Lisboa) papers. The only information received by the *O Herald* from the British side are yellow sheets from the Chief Officer of Information, which have very little to do with the war, and mostly

Color the World Orange Day

Color the World Orange Day is a vibrant and meaningful event. This day aims to raise awareness about Complex Regional Pain Syndrome (CRPS), a chronic pain condition that is often misunderstood. By wearing orange and engaging in related activities, participants help shine a light on the struggles faced by those living with CRPS. The color 'orange' symbolizes hope and resilience, making it a fitting choice for this important cause.



could easily buy a new set, instead of annoying himself with constant repairs.

"The only conclusion is that Koch is probably acting under advice from Berlin and having transformers or the coils changed each time, to transmit on a different wavelength," the note said. "He is no doubt transmitting on a short wavelength, probably very much below 7 M so that his transmission cannot be picked up except by a set, specially prepared for this purpose, for most radio sets would not pick up on less than 7 M or so."

Missing Persons

Over the next two years, the British managed to accumulate enough evidence to show that the crews of the three German ships as well as an Italian ship were indulging in espionage and providing information to the Axis powers through radio sets. The Portuguese were presented with this evidence, but they refused to act on account of their neutrality. In the end, the British decided to undertake covert operations.

In November 1942, British agents kidnapped Koch and his wife and took them to what is now Karnataka through Castle Rock. There is no further information about the couple in the public domain.

Four months later, a nighttime operation was conducted to sink all four ships off the coast of Mormugao, bringing Goa briefly into the theatre of the Second World War. Five sailors from the ship were killed and another five went missing. The rest of the crew, estimated to number 130, were interned.

The attack on the German and Italian ships, codenamed Operation Creek, was the subject of a 1980 film titled, *The Sea Wolves*. The film, starring Gregory Peck, Roger Moore and David Niven, was shot on location in Goa. Although it did take liberty to fictionalise the operation, it gives the viewer a glimpse of Goa before it became a global tourist hotspot.

rajeshsharma1049@gmail.com

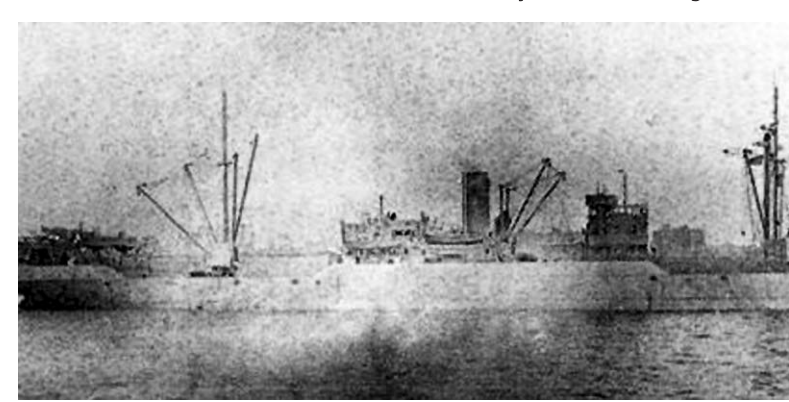


Photo courtesy: SSHSA Collection, University of Baltimore's Library.

#CULTURAL HERITAGE

Creating A Digital Twin Of Shahjahanabad

Digital twins can play a vital role in highlighting the elements of cultural heritage that have been lost to time.

Cultural heritage is an intrinsic part of the urban landscape of historical cities. Its tremendous socioeconomic and anthropological value is witnessed by the United Nations, having included it as part of Sustainable Development Goal 11, which aims to strengthen efforts to protect and safeguard the world's cultural and natural heritage.

Despite the global recognition of cultural heritage's importance and role in enriching our lives, it is under constant menace. The International Council on Monuments and Sites (ICOMOS) has identified eight different threats, of which 'urbanisation', manifested through rapid demographic changes and pressures, homogenisation, loss of identity and in the worst case, demolition, is seen perhaps as the most significant.

Because these threats are complex and multi-layered, preservation and efficient management of cultural heritage demand robust information. One such information-gathering tool is geo-information technology (GIT), which, through its different forms like remote sensing and geographic information systems (GIS), photogrammetry, and laser scanning, has long been used to document, model and monitor cultural heritage as well as disseminate information about it.

Recent examples include the virtual reconstruction of the Qatari city of Al-Zubarah and the creation of a virtual-reality application for the German town of Duisburg of 1566 CE. The rationale behind many of these efforts is to help visualise the sites and so understand their previous form, function, and context, as well as establish their lost identity.



The Case Of Shahjahanabad

Established in 1648 CE as the capital of the Mughal empire, Shahjahanabad, now known as Old Delhi, was the subject of glowing accounts in the writings of European travellers such as François Bernier.

Today, however, Shahjahanabad is in a state of decay in every sense, physically, socially, and economically. The pressures of development have contributed to the loss of valuable resources, architectural typologies and civic amenities that were once contributing factors to its historic value.

Unlike other cities of Delhi, whose historical forms are either untraceable or exist merely as desolate monuments scattered here and there, Shahjahanabad still is a living city. Many of the architectural imprints of the Mughals, including the Red Fort and the Jama Masjid (the main

mosque), have survived the various 'planned' and unplanned onslaughts, that have befallen the city since its establishment and peak. Given its density, the city is under constant change, with built heritage continuously being replaced by newer forms. Not only is information on Shahjahanabad's past obscured and lost, but also the average visitor identify the city only with congestion, pollution, and decay, and is completely unaware of the wealthy and glorious city, about which travellers such as Bernier wrote. The goal of our ongoing research is to create a digital twin of Shahjahanabad across a spatio-temporal scale. This virtual model would support future conservation efforts, restore the city's unique identity by creating cultural awareness, and serve as a model for future planning and development.

When Photogrammetry Meets Archival Research

Created using geo-information tools such as photogrammetry in combination with archival research, historic maps and survey plans, the digital twin would be a model of Shahjahanabad as it once was. The gaps found in cartographic sources would be filled by extracting spatial information contained in written records, sketches, photographs, and other images. Some of these sources will also be used to construct the virtual 3D model of the city. Although photogrammetry and laser scanning have been used for creating historic urban environments, modelling dense and 'living' heritage areas like Shahjahanabad, using these methods, takes on a different meaning. The methodology proposed by our research, combining GIT methods with archival



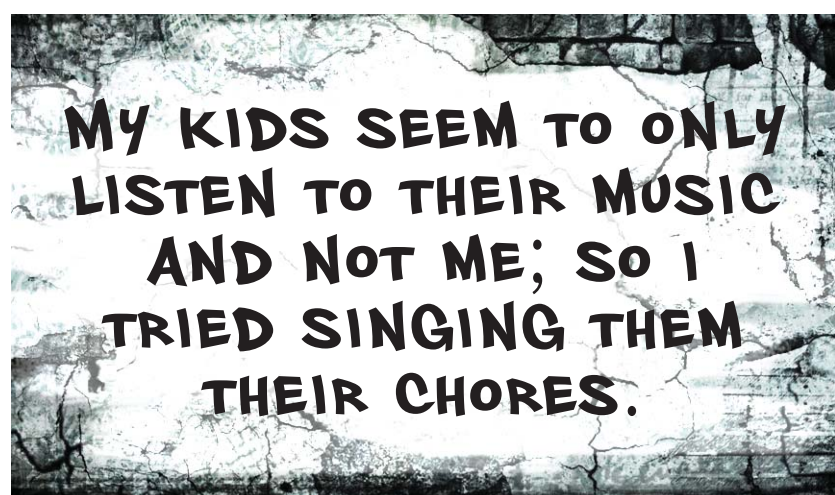
research, could be useful for other urban areas that do not have sufficient historic spatial information for modelling the past.

Historic Cities At The Crossroads

For historic cities in the developing world, there is an urgent need to upgrade infrastructure and housing to improve the quality of inhabitants' lives. Still, policymakers and planners need to be careful that such vital work does come at the cost of cultural heritage of which cities, such as Shahjahanabad, are a rich repository. Digital twins can play a vital

role in highlighting the elements of cultural heritage that have been lost to time as well as those that have survived and need to be preserved for future generations. From spatial-planning perspective, they can present different scenarios to planners and designers for fulfilling contemporary needs while at the same time preserving cultural heritage.

THE WALL

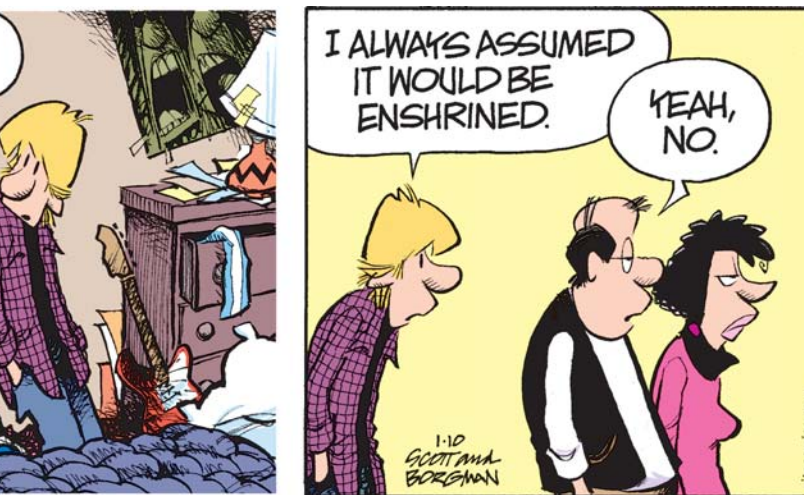
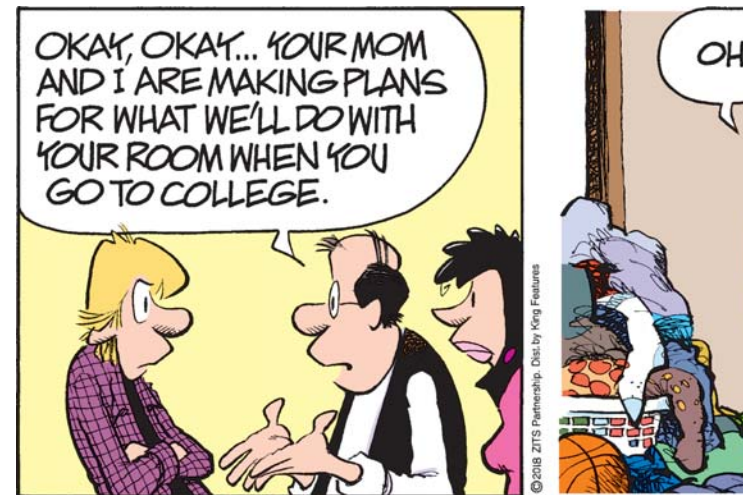


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

डायलिसिस मशीन का किडनी पीड़ित मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ गंगपुर सिटी। जिला अस्पताल में किडनी फेल्योर और संक्रमण के मरीजों को राहत देने के लिए प्रदेश स्तर पर करीब 364 डायलिसिस की मशीन आठ माह पूर्व 38 करोड़ 57 लाख रुपए से खरीद की गई थी।

4 महीने पहले इनमें से दो मशीन गंगपुर पहुंच चुकी, लेकिन दोनों मशीनी अनुपयोगी साबित हो रही हैं। हालांकि गंगपुर सिटी के जिला अस्पताल में चार माह पूर्व दो आई और डायलिसिस तो इन्स्टॉल हो चुकी है, लेकिन सरकार के आदेश न मिलने के कारण अभी तक इनका उपयोग शुरू नहीं हुआ है। हैरत की बात है कि मशीनें अभी तक खुली तक नहीं। बता दें कि डायलिसिस करने के लिए टेबिनकल स्टाफ और डायलिसिस बेड की जरूरत होती है। इनमें से अस्पताल में एक ही डायलिसिस बेड नहीं है, जिससे किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों का इलाज किया जा सके। परेशानी यह है कि गंगपुर सिटी जिला अस्पताल से मरीजों और उनके परिजनों को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। हालांकि निजी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस के 4500 रुपए तक लेते हैं। मरीजों को हर सप्ताह तीन डायलिसिस की आवश्यकता होती है। ऐसे में एक सप्ताह के 12,500 रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

मनोहरपुर। कस्बे में रोशनी का पर्व व उमंग उल्लास के साथ मनाया गया। कस्बेवासियों ने शुभ मुहूर्त में अपने घरों और प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी पूजन कर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। साथ ही पटाखे और रंग बिरंगी आतिशबाजी से आसमान सरोबार हो उठा।

मंदिरों से लेकर घर पूरी तरह रंग बिरंगी आकर्षक रोशनी से जगमगा उठी। महिलाओं बच्चों और युवाओं ने जमकर आतिशबाजी का आनंद लिया। दीपावली के दिन सुबह से कस्बे के मुख्य बाजारों में खरीदारी करने के लिए अच्छी खासी भीड़ रही। कस्बेवासियों ने घरेलू साज सज्जा, मांडने, दीपक, लक्ष्मी पूजन सामग्री, फल फूल, सुंदर वस्त्र, मिठाई, खरीदते नजर आए। साथ ही शहरवासियों ने कपड़े और वाहन भी खरीदे। बाजारों में पटाखे की अस्थाई दुकानों पर भी कस्बेवासी पटाखे खरीदते नजर आए। दीपावली को शाम को कस्बेवासियों ने सुंदर वस्त्र पहनकर शुभ मुहूर्त में घरों में दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद इसके बाद शुभ मुहूर्त में भगवान गणेशजी, लक्ष्मी जी सरस्वती देवी, भगवान कुबेर से सुख समृद्धि की कामना के साथ पूजन



मनोहरपुर कस्बे में रोशनी का पर्व व उमंग उल्लास के साथ मनाया गया।

किया। लक्ष्मी पूजन के पश्चात कस्बेवासी अपने परिवारों के साथ बाजार की रोशनी देखने गए। कस्बे के गांधी चौक, सैय्यद बाबा मार्किट सहित अनेक जगह आकर्षक सजावट और रोशनी की गई।

शहर के मुख्य बाजार रोशनी से गुलजार नजर आ रहे थे। शहर में दीपावली के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा वहीं शहरवासियों ने शनिवार

को गोवर्धन को सुबह गोवर्धन पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की इसके पश्चात महिला, पुरुष, और बच्चों ने सुंदर परिधान पहनकर अपने रिश्तेदारों के घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

त्योहार में विभिन्न रूटों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन

कोटा, (निस)। त्योहारों के अवसर पर भारतीय रेलवे द्वारा लगभग 7500 विशेष गाड़ियाँ चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले साल 4,500 विशेष गाड़ियाँ चलाई गई थीं। स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधाओं तथा गाड़ियों की आवागमन की सही समय की देखरेख के लिए रेलवे बोर्ड, जोनल रेलवे मंडल तथा स्टेशन स्तर पर विशेष कंट्रोल रूम बनाए गए हैं जो किसी तरह की समस्या से निपटने के लिए मौजूद हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं। कतारबद्ध तरीके से यात्रियों को ट्रेनों में प्रवेश की व्यवस्था देखने भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान तैनात किए हैं।

■ स्टेशनों एवं ट्रेनों में रेल प्रशासन ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कुछ महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रेलवे ने अतिरिक्त कोच व रक की व्यवस्था रिजर्व में की है जिसे अधिक भीड़ होने पर इन्हें तत्काल स्पेशल ट्रेन बनाकर चलाया जा सके। 2 नवंबर 2024 को रेलवे ने 168 से अधिक विशेष गाड़ियाँ चलाई, 3 नवंबर 2024 को 188 विशेष गाड़ियाँ चलाई जा रही हैं। कोटा से कोटा-दानापुर सहित कोटा होकर विभिन्न रूटों पर स्पेशल ट्रेनों

को चलाया जा रहा है। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मन्द 139 अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। पश्चिम मध्य रेल द्वारा आगामी त्योहार के दौरान रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ रही भीड़ की संभावना को देखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किये हैं।

ट्रेनों और प्लेटफार्मों में सुरक्षा:- ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर आने-जाने वाले स्थानों पर सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ किया गया है, साथ ही प्लेटफार्मों में आने-जाने

वाले यात्रियों के सामान को चेक किया जा रहा है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आरपीएफ द्वारा यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से ट्रेनों में प्रवेश कराया जा रहा है।

विशेष बल की अतिरिक्त तैनाती:- प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त आरपीएफ/जीआरपी एवं वाणिज्य विभाग के कर्मचारों तैनात किए गए हैं। ट्रेनों में भी रेलवे सुरक्षा बल की संख्या बढ़ाई गई है।

एनाउंसमेंट के माध्यम से:- सभी यात्रियों से अपील की जाती है कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान की देखभाल करें और संदिग्ध वस्तुओं को

रेलवे परिसर में न लाएं। ट्रेनों में उतरते एवं चढ़ते समय सावधानी बरतें।

सीसीटीवी निगरानी:- रेलवे स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

पुलिस नियंत्रण कक्ष:- रेलवे स्टेशनों पर 247 नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की समस्या के लिए तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए संपर्क करने का आग्रह किया जाता है। आरपीएफ सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षा बल को दें।

भगवान महावीर स्वामी का निवारणोत्सव मनाया

फुलेरा। कस्बे के श्री आदिनाथ जिनालय में श्री दिगम्बर जैन पंचायत की ओर से महावीर स्वामी का 2551वां निवारणोत्सव मनाया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए जैन समाज के अध्यक्ष निलेश बडजात्या ने बताया कि समाज की ओर से महावीर स्वामी का अभिषेक एवं नित्य नियम पूजन किया गया। इसके बाद वहीं सुबह शांतिधारा की गई। इसी क्रम में महावीर स्वामी की पूजा अर्चना के बाद सामूहिक निवामि लड्डू चढाया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष बिरदी चन्द वैद, सुरेश रावका, कैतारशा बेनाडा, निमल काला, कमल वैद, सुबोध छाबडा, महेश रावका, गजेन्द्र लुहाडिया, राकेश रावका, किनोद गोधा, राजकुमार रावका, सुरेश बडजात्या, प्रवीण बडजात्या, महावीर बडजात्या, महावीर बेनाडा, सन्दीप लुहाडिया, ताराचन्द सोमानी, अंकित काला, महावीर वैद, अमित लुहाडिया, राकेश जे.डी.नैन, अभिषेक रावका सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

माहेश्वरी दम्पति को समाज सेवा रत्न सम्मान भेंट

कोटा, (निस)। भीलवाड़ा में एक सादे समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत के राजस्थान प्रदेश के कोटा जिलाध्यक्ष के रूप में दम्पति सुमन लता डॉ. महेंद्र मोहन माहेश्वरी के द्वारा वर्ष 2016 से नियमित रूप से परमाथ दिव्यता सेवा कार्य किये जा रहे हैं। इन कार्यों हेतु कई बार सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर कोटा जिला शाखा को सम्मानित भी किया गया है। इनके नेतृत्व में अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब की विभिन्न जिला शाखाओं द्वारा पूरे प्रदेश में वर्ष 2018 से विशेष तौर पर सरकारी स्कूलों में जकरुतमद एक लाख से अधिक बच्चों को निःशुल्क चण्पल चित्रण एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है। 3 नवम्बर रविवार को भीलवाड़ा प्रवास पर उनके नेतृत्व में कोटा जिला शाखा द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों हेतु अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत के राष्ट्रीय महासचिव अनिता डॉ. अशोक सोडाणी ने उन्हें समाज सेवा रत्न सम्मान भेंट किया। डॉ. फिन्स निर्माता निर्देशक रंगमंच के चरित्र कलाकार डॉ. महेंद्र मोहन माहेश्वरी ने अपने सम्मान के अवसर पर क्लब के राष्ट्रीय महासचिव अनिता डॉ. अशोक सोडाणी का आभार व्यक्त किया।

दो मंजिला कपड़ा शोरूम की दुकान में आग से लाखों का नुकसान

भरतपुर (निस)। कोतवाली थाना क्षेत्र में देर रात उस वकत हंगामा मच गया। जब रेलवे स्टेशन के पास रेल पुलिस चौकी के सामने बजरिया में स्थित कपड़ों के दो मंजिला शोरूम में आग लगती देखी। देखते ही देखते आग पूरे शोरूम में पहुंच गई और शोरूम के ऊपर व्यापारी मुरारी और रवि के निवास में भी पहुंच गई। अचानक आग लगने से आस पास अफरातफरी मच गई। लोगों ने घटना की सूचना दुकान मालिक रवि गोयल और मुरारी, पुलिस और दमकल विभाग को दी।

घटना की जानकारी मिलने पर नगर निगम की आधा दर्जन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं लेकिन नगर निगम की दमकले ज्यादातर खराब पडी हैं दो तीन दमकल मौके पर थी जब आग ने विकराल रूप लिया तो कुम्हरे, उच्चैन सहित बाहर की नगर पालिकाओं से दमकल गाड़ियां बुलाई गईं करीब 15 दमकलों ने 6 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर

काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलने पर नगर निगम के आयुक्त श्रवण कुमार एवं भाजपा के जिला महामंत्री एवं व्यापारी नेता बृजेश अटावाल सहित अनेक प्रमुख लोग भी मौके पर पहुंचे।

घटना रेलवे स्टेशन के पास बजरिया के पास की है। जहां मुरारी लाल एण्ड ब्रदर्स के नाम दो मंजिले कपड़े की दुकान है। यह दुकान करीब 40 साल पुरानी है। दुकान मालिक मुरारी लाल ने बताया कि कल वह गोवर्धन पूजा के बाद दुकान के ऊपर बने घर में सोने उठे गए। रात करीब साढ़े बारह बजे उनके पास फोन आया कि दुकान में आग लगी हुई है। जिसके बाद दुकान मालिक अपने परिवार के साथ नीचे आया और दुकान की शटर को खोला गया। दुकान के अंदर आग की लपटें निकल रही थी। जिसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई जिसके बाद करीब एक दर्जन दमकल गाड़ियां करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

वृद्धजनों का सम्मान किया

निवाड़ी। गांव बस्सी में वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वृद्धजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 105 वर्ष के बस्सी गांव के बुजुर्ग रंगलाल हांखला का स्वागत किया व सभी लोगों ने आशीर्वाद लिया। बाबूलाल पोसवाल बस्सी ने बताया कि गोवर्धन पूजन की शाम को रंगलाल हांखला का ग्रामीणों ने सम्मानित किया गया। सभी लोगों ने 105 वर्ष के बुजुर्ग रंगलाल हांखला से आशीर्वाद लिया है। मेले में गांव हतीजर सहित कई गांवों के गणमान्य नागरिक, मेला कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। उद्घाटन होते ही महिला-पुरुष व बच्चे पूजा-अर्चना तथा मेला का आनन्द लेने को उमड़ पड़े। जिन्होंने भैर बाबा एवं अन्य देवी-देवताओं के जयकारे और महिलाओं ने लोकगीत व भजन पर जमकर दुमके लगाए। देव उठावनी एकादशी-2023 से अब तक हुए युवक-युवती के विवाह एवं जन्मेशिशु के परिवार के लोगों ने दर्शन कर भोग लगाए और घर-घर में पकवान बने। वक्ताओं ने कहा कि भैर बाबा मेला भारतीय संस्कृति की धरोहर है और भाईचारा व प्रेम का प्रतीक है।

‘भैरु बाबा मेला भारतीय संस्कृति की धरोहर’

हलीना भरतपुर (निस)। भैर बाबा मेला कमेटी, ठाम पंचायत एवं सर्व समाज की ओर से गांव हतीजरस्थित भैर बाबा मन्दिर पर 786वें भैर बाबा मेला का शुभारम्भ सरपंच मीना गिरांजसिंह डागुर ने किया।

रिटायर्ड आईएएस महावीर सिंह, आर्मी के रिटायर्ड नायब सुबेदार दिलीप सिंह, मारुति कम्पनी के एमडी जगत सिंह अतिथि रहे। मेले में गांव हतीजर सहित कई गांवों के गणमान्य नागरिक, मेला कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। उद्घाटन होते ही महिला-पुरुष व बच्चे पूजा-अर्चना तथा मेला का आनन्द लेने को उमड़ पड़े। जिन्होंने भैर बाबा एवं अन्य देवी-देवताओं के जयकारे और महिलाओं ने लोकगीत व भजन पर जमकर दुमके लगाए। देव उठावनी एकादशी-2023 से अब तक हुए युवक-युवती के विवाह एवं जन्मेशिशु के परिवार के लोगों ने दर्शन कर भोग लगाए और घर-घर में पकवान बने। वक्ताओं ने कहा कि भैर बाबा मेला भारतीय संस्कृति की धरोहर है और भाईचारा व प्रेम का प्रतीक है।

यात्रियों का स्वागत

खादश्यामजी। खादश्यामजी से मक्का मदीना उमराह पर जाने वाले चार यात्रियों का लोगों ने साफा पहनाकर व माला पहनाकर अभिनन्दन किया। इससे पूर्व सामूहिक कार्यक्रम में उमराह जाने वाले हाजी गुलाब खां तेली, अमीना बानो, रोशन खां तेली, मैना बानो का समाज के लोगों ने स्वागत करते हुए कहा कि मदीना वालों को हमारा सलाम कहना व सभी के लिए अमन चैन की दुआ करना दातारामगढ विधायक वीरेंद्र सिंह उमराह पर जाने वाले यात्रियों को माला पहनाकर स्वागत कर सुखमय यात्रा की दुआ की। इसके साथ ही खादश्याम प्रकर संस्थान के अध्यक्ष सीताराम मर्मा, कोषाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, मंत्री विकास सोनी, सदस्य विधाधर शर्मा ने पुष्प हार पहनाकर, शॉल ओढाकर साफा पहनाकर सम्मान किया वही हिंदू समाज के लोगों ने साफा बंधवाकर व माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान रामचन्द्र जिजवांडिया, प्रधानाचार्य रजनीश शर्मा, रमेश स्वामी, सफी खां, इकबाल खां, बुंदू खां, साहित खां, गौरीशंकर मीणा, रमेश स्वामी, रूपनारायण वशिष्ठ, छोटाराम शेरवात, राजू माटोलिया, हितेशु भारद्वाज, दीपक बानगी, मुकेश निमावत, हैरम्भ रामूका, गोकुल स्वामी, नीतिश अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे गौरतलब है कि यह जथा सोमवार प्रातः चार बजे जयपुर से रवाना होगा और इसमें खादश्यामजी के चार लोगों सहित करीब चालीस लोग शामिल हैं।

सार-समाचार



पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में रविवार को भैया दूज का त्योहार पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर मुंह मीठा करवाया। बहनों ने भाइयों के अलावा अपनी भाभियों को भी तिलक लगाया। इस दिन को श्रद्धापूर्वक मनाने से भाई की आयु वृद्धि और बहन को सौभाग्य सुख की प्राप्ति होती है। रविवार को कुंवारी कन्याएं और महिलाएं सुबह जल्दी उठीं और सज-संवरकर मंदिरों के दर्शन करने पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने कहानी सुनी व बाजार से मिठाई खरीदी। बहनों ने भाइयों को शुभ मुहूर्त में तिलक लगाया। टीका भाई की लंबी आयु की कामना का प्रतीक होता है। बदले में भाइयों ने अपनी लाडली बहनों को उपहार स्वरूप बर्तन, आभूषण और रुपए व आशीर्वाद दिया। त्योहार के मौके पर बहनों ने भाइयों को खास अंदाज में विश किया। इस दिन छोटी-छोटी बालिकाओं में भी अत्यंत उत्साह नजर आया। भैया-दूज के त्योहार पर बहनें भाइयों की लंबी उम्र की कामना करती हैं। यह त्योहार भाई-बहन के बीच परस्पर स्नेह को बढ़ाता है। तिलक में श्रीलक्ष्मी का वास माना जाता है। अक्षत पवित्रता का प्रतीक है। वैदिक काल से चला रहा यह त्योहार आज भी उपखंड पावटा क्षेत्र में परंपरा और उल्लास से मनाया जाता है।

आज से शुरू होगा कृषि मंडी व्यापार

निवाड़ी। दीपावली पर्व को लेकर सात दिन के अवकाश बाद सोमवार से कृषि मंडी व्यापार पुनः शुरू होगा। व्यापार मंडल के संरक्षक लालचंद बोहरा ने बताया कि दिपावली पर्व पर कृषि उपज मंडी समिति द्वारा सात दिन तक कृषि मंडी में अवकाश रखा गया था। कृषि मंडी व्यापारी दीपोत्सव पर कृषि मंडी में महालक्ष्मी व कुबेर की विधि विधान से पूजा अर्चना की। सोमवार को कृषि मंडी परिसर में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर में मंडी व्यापारियों द्वारा शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना कर पुनः मंडी व्यापार शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि शुभ मुहूर्त में ही जिसों का क्रय विक्रय किया जाएगा।

भजन कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

शाहपुर। भूरी डूंगरी चंदवाजी में स्थित भोमिया जी महाराज व पितर जी महाराज के मंदिर में भजनों का कार्यक्रम आयोजित हुआ। भजन संस्था में नवर्ग म्यूजिक एण्ड फिल्म के गायक व लेखक लालचंद नवर्ग ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी और श्रोताओं को जमकर नचाया। साथी कलाकार मोहन सरंगी ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सुभाष शर्मा, श्याम नवर्ग, मौसम भाई, सुभाष डॉसर, विक्की छैला, दीपक हजजपुर ने भी अपनी कला की शानदार प्रस्तुति दी। सुबह आरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया भाई दूज पर्व

निवाड़ी। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को महिलाओं ने भाई बहन के प्यार के प्रतीक भाई दूज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। भाई बहन के प्यार, स्नेह व सौहार्द का प्रतीक भाई दूज पर्व पर महिलाएं समूह के साथ एक जगह एकत्रित होकर पूजा अर्चना करके भाई दूज की कक्षा सुनी व भाईयों की लम्बी उम्र की मनोकामना की। महिलाओं ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर पूजा की और उनके लिए भोजन तैयार करके प्यार से खिलाया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनको रक्षा करने का वादा लिया। इस दौरान पूजा शर्मा झिलाव, हेमलता शर्मा, शिमला शर्मा, सुनिता बडागांव, कृष्णा अग्रवाल, कृष्णा जैन व संगीता बहड सहित कई महिलाएं मौजूद थीं।

दीपावली की दी शुभकामनाएं

मनोहरपुर। भाजपा से कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जयपुर ग्रामीण सांसद में भात सरकार में वित्तीय सलाहकार समिति के सदस्य वर राजेंद्र सिंह से मुलाकत की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद को मायापूर्ण कर और साफा पहनकर स्वागत किया। सांसद ने भी सभी कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर उन्हें भी दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान भाजपा एसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामावतार अस्वाल, अटल पारीक, परमेश्वर शर्मा, संपूर्णानंद शर्मा आनंद मिश्रा सहित कई लोग मौजूद थे।

बाबासाहेब की मूर्ति का अनावरण किया

बहरोड / नीसराना। जिला कोटपूली बहरोड के गांव नांगल खोडिया में 3 नवंबर 2024 को ग्रामीणों ने राजनेताओं को नकारते बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का सामाजिक अनावरण किया। ग्रामीणों ने बताया कि समाज के सहयोग निमित्त मूर्ति का ग्रामीणों सहित भारत रत्न अंबेडकर विचार मंच नांगल खोडिया बहरोड ने अनावरण कर संविधान का अनावरण करने की प्रक्रिया ली है। इस दौरान बन्नी प्रसाद, बिसंभर दयाल, रामनिवास, महेंद्र फौजी, निरंजन लाल, मुकेश फौजी, सतीश सैन, विकास, पंकज, अजीत, सुनील, धर्मद, कालू खान, अंकित, दीपचंद, सचिन, योगेश, नरेश, अंशु, शाहरुख खान, कपिल आदि सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहे।

सडक निर्माण कार्य के कारण जाम लगा

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम नारेहडा में सडक निर्माण कार्य के चलते आये दिन जाम लगा रहता है। जिससे वाहन चालकों को घण्टों तक इंतजार करना पडता है। वहीं ग्रामीणों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। सडक पर दोपहर बाद लगा लम्बा जाम रात्रि तक जारी रहा। मार्ग पर सडक को खुदाई का कार्य चल रहा है, जिससे भारी वाहनों का आवागमन ज्यादा होने पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। जाम लगने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। भैया दूज का त्योहार होने पर यातायात का भारी दबाव रहा। जिससे यात्री घंटों जाम में फंसे रहे। व्यापारियों का कहना है कि अगर वाहनों के निकलने की जगह बना दी जाये या जाम को निकालने के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिये जाये तो जाम से निजात मिल सकती है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अब देवउठनी के सवे पर भी यातायात अधिक रहेगा जिससे काफी परेशानी होगी।

निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर

कोटा, (निस)। कोटा हाट इंस्टीट्यूट ग्रुप के नए अस्पताल श्रीजी हॉस्पिटल इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट एरिया, कोटा में निःशुल्क सुपरस्पेशलिटी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. संदीप जैन, सीनियर फिजिशियन, डॉ. गुरनूर सांसद व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से पाली उनके आवास पर मुलाकात कर उन्हें फूलों का गुलदस्ता व मिठाई भेंट कर समाज की ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन कर दीपावली की बधाई दी और उन्हें अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ के तत्वावधान में 12 नवम्बर को नगर निगम भीलवाड़ा के चित्रकूट धाम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन व सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने में मंत्रणा दिया गया। साथ ही सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर भी विस्तार से समाज के बारे में चर्चा की गई और उन्होंने आश्चर्य किया कि वे 12 नवम्बर को नव युगलों को आशीर्वाद देने जरूर पहुंचेंगे। इस अवसर पर स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष नेमीचंद चौपड़ा के नेतृत्व में प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली व आचार्य ब्राह्मण सेवा समिति के अध्यक्ष देवकिशन आचार्य ने राज्यसभा सांसद व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से पाली उनके आवास पर मुलाकात कर उन्हें फूलों का गुलदस्ता व मिठाई भेंट कर समाज की ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन कर दीपावली की बधाई दी और उन्हें अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ के तत्वावधान में 12 नवम्बर को नगर निगम भीलवाड़ा के चित्रकूट धाम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन व सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने में मंत्रणा दिया गया। साथ ही सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर भी विस्तार से समाज के बारे में चर्चा की गई और उन्होंने आश्चर्य किया कि वे 12 नवम्बर को नव युगलों को आशीर्वाद देने जरूर पहुंचेंगे। इस अवसर पर स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष झंवरलाल कारकिया, भंवर लखेरा, अशोक भण्डारी व उदयलाल माली भी उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यात्रा 6 से

करोली। करोली की शिव कॉलोनी में 6 नवंबर से श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यात्रा का भूमधाम के साथ आयोजन किया जाएगा। करोली की शिव कॉलोनी निवासी सहायक प्रशासनिक अधिकारी पुष्पेंद्र शर्मा एवं उनके परिवार कि ओर से 6 से 13 नवंबर तक श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। भारद्वाज पंचैरी परिवार के पुष्पेंद्र भारद्वाज, कल्पना भारद्वाज, प्रवीण शर्मा, शौर्य प्रिंसी प्रवीण, विजयता, युग, लक्षिका एवं कार्यक्रम कि आयोजक श्रीमती रमा शर्मा ने बताया कि बुधवार 6 नवंबर को गणेश पूजन के साथ श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व गौमती कॉलोनी स्थित आश्रम से विशाल कलाश यात्रा का आयोजन किया जाएगा जो कलाश यात्रा प्रमुख भागों से होते हुए कार्यक्रम स्थल निज निवास 'गोव कॉलोनी' पहुंचेगी उन्होंने बताया कि इसके अलावा 24 अंतर वार्धन, कपिल देववृत्ति संवाद श्रवण प्रहलाद चरित्र, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, नंदोत्सव एवं राम चरित्र रविवार 10 नवंबर को बाल लीला एवं गोवर्धन पूजा, कृष्ण रमणगी विवाह, सुदामा चरित्र के साथ 13 नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित होंगे।

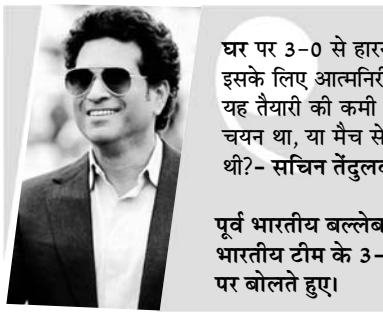


पीएचसी रघुनाथपुरा को सीएचसी में क्रमोन्नत कराने की मांग की गई।

व पावटा ले जाते हैं। जिससे गरीब लोगों का मरीजों को लाने व ले जाने में वाहनों पर खर्चा होता है व आसपास कोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित नहीं है। यदि ग्राम रघुनाथपुरा में स्थित

राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना दिया जावे व इसमें समुचित स्टाफ फिजिशियन, ई.एन.टी. चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ व जांच

मशीनों द्वारा मूलभूत सुविधा प्रदान कर दी जाते तो क्षेत्रवासियों को इलाज में काफी सहूलियत मिल जावेगी एवं समय व धन की बर्बादी से मरीज व उसके परिवार बच सकेंगे।



घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है, और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या यह तैयारी की कमी थी, क्या यह खराब शॉट चयन था, या मैच से पहले अभ्यास की कमी थी?— सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, भारतीय टीम के 3-0 से हारने पर बोलते हुए।



आज का खिलाड़ी



ईशान किशन

राष्ट्रपति जयपुर, 4 नवम्बर, 2024 7

ऑस्ट्रेलिया ए ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां भारत ए को चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में सात विकेट से हराया जिसमें भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन गेंद बदलने के विवाद में फंस गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 225 रन के लक्ष्य का पीछा करते

हुए चौथे दिन सुबह अपनी पारी तीन विकेट पर 139 रन से आगे बढ़ाई। कप्तान नाथन मैकस्वीनी (नाबाद 88) और ब्यू वेबस्टर (नाबाद 61) ने चौथे विकेट के लिए 141 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

क्या आप जानते हैं? ... विश्व कप फुटबॉल के एक मैच में सर्वाधिक गोल का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया और स्वीजरलैंड के बीच (7-5) खेले गये मैच के दौरान हुआ।

माइनेनी-रामकुमार की जोड़ी ने जीता सियोल ओपन युगल का खिताब



सियोल (दक्षिण कोरिया), 3 नवंबर। भारत की साकेत माइनेनी-रामकुमार रामनाथन की जोड़ी ने रिविवा को फाइनल में मुकाबले में अमेरिका के वासिल किरकोव और नीदरलैंड के बार्ट स्टीवंस की जोड़ी को हराकर सियोल ओपन पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने अमेरिका के वासिल किरकोव और नीदरलैंड के बार्ट स्टीवंस की जोड़ी को 6-4, 4-6, 10-3 से हराया। यह भारतीय जोड़ी का चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में साकेत मायनेनी और रामकुमार रामनाथन ने दक्षिण कोरिया के नाम जी सुंग और ग्रेट ब्रिटेन के जोशुआ पेरिस को 7(9)-6(7), 6-4 से हराया था। मायनेनी और रामनाथन ने पहले दौर में कोलंबिया के दूसरे करीय क्रिस्टियन रोड्रिग और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रोमियोस को हराया था और फिर क्वार्टर फाइनल में कोरियाई वाइल्ड कार्ड जियोंग योंगसोक और पार्क उडसुंग को हराया था।

अनाहत सिंह ने जीता साल का छठा पीएसए चैलेंजर स्क्वैश खिताब



कॉप्स हार्बर (ऑस्ट्रेलिया), 3 नवंबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने रिविवा को जापान की अकारा मिडोरिकावा को 3-0 से हराकर कोस्टा नॉर्थ कोस्ट ओपन 2024 के महिला एकल खिताब जीत लिया। यह अनाहत का इस साल का छठा पीएसए चैलेंजर खिताब है। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में 16 साल की अनाहत सिंह ने जापान की छठी वरियता प्राप्त अकारा मिडोरिकावा को 3-0 (11-6, 11-6, 11-7) से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय स्क्वैश स्टार ने पूरे टूर्नामेंट में अपने दबदबे को बरकरार रखा और केवल एक ही गेम गंवाया। उन्होंने सेमीफाइनल में हांगकांग की सातवीं वरियता प्राप्त क्रिस्टी वॉंग को 3-1 (11-5, 7-11, 11-7, 11-9) से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि दूसरे राउंड और क्वार्टरफाइनल में हांगकांग की बोबो लाम और हेलेन टांग को हराया था। पिछले साल हांगकांग उर्फिसाई खेलों में महिलाओं की टीम और मिश्रित युगल इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत सिंह को उनकी वरियता के कारण पहले राउंड में बाई मिली थी। यह उनका इस वर्ष का छठा खिताब है।

हीरानन्द कटारिया व नरेन्द्र यादव को सम्मान पत्र प्रदान किया



जयपुर, 3 नवंबर। बी-पॉजिटिव संस्थान ने स्व.जगदीश चौधरी सकारात्मक सोच सम्मान पत्र-2022 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हीरानन्द कटारिया के खेल क्षेत्र में किये गए योगदान के लिए सम्मानित किया। 2023 के स्व. जगदीश चौधरी सकारात्मक सोच सम्मान पत्र के लिए नरेन्द्रजी यादव को उनके पर्यावरण क्षेत्र में किये गए कार्यों विशेषतः 1 लाख बरगद के पेड़ों के वृक्षारोपण के लिए सम्मानित किया। बी प्लस एनजीओ सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले व्यक्ति, संस्था, समूह को स्व. जगदीश चौधरी स्मृति पुरस्कार प्रितवर्ष पनजीओ परिवार द्वारा प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में बी-पॉजिटिव संस्थान के इस वर्ष नये सदस्यों का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। सदस्य राजकुमार यादव व रामनिवास यादव ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हॉकी इंडिया चैंपियनशिप का 14वां संस्करण, 31 टीमों करेगी प्रतिस्पर्धा

चेन्नई, 3 नवंबर। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोमवार से शुरू हो रही हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वां संस्करण कुल 31 टीमों हिस्सा लेंगी। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली 31 टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल से शीट टीम 13 नवंबर को क्वार्टर-फाइनल में आगे बढ़ेगी, उसके बाद 15 नवंबर को सेमीफाइनल और 16 नवंबर को फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान के लिए प्ले-ऑफ होगा।

कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी ली

मुंबई, 3 नवंबर। कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि इसे आसानी से पचाया नहीं जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनके करियर का सबसे बुरा दौर है। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रदर्शन भरे करियर का सबसे बुरा दौर होगा और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूँ। रोहित ने कहा, श्रृंखला गंवाने की बात पचना मुश्किल है। श्रृंखला हारना, टेस्ट मैच हारना कभी भी आसान नहीं होता। यह आसानी से पचने वाली बात नहीं है। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला। न्यूजीलैंड ने पूरी श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन किया। हमने कई गलतियों की। उन्होंने आगे कहा, पहले दो टेस्ट में हमने पहली पारी में ज्यादा रन नहीं बनाए। इस मैच में हमने 28 रन की बहुत हासिल की और फिर मिले लक्ष्य को हासिल किया



जा सकता था। उन्होंने कहा, हम एक इकाई के रूप में विफल रहे। जब आप इस तरह के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप चाहते हैं कि बोर्ड पर रन बने। यह मेरे दिमाग में था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। जब जो चाहते हो ऐसा नहीं होता तो यह अच्छा नहीं लगता।

भारतीय कप्तान ने बताया कि वह अपने खुद के प्रदर्शन से भी काफी निराश हैं। उन्होंने कहा, मैं कुछ खास योजनाओं के साथ मैदान में उतरता हूँ और इस श्रृंखला में वे योजनाएं सफल नहीं हो पाईं। हमने इन परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला और इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं कप्तान के रूप में और बल्लेबाजी में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाया। एक इकाई के रूप में हम मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे।

मैच में अपनी खराब बल्लेबाजी पर विस्तार से बात करते हुए कप्तान ने कहा कि वह अपने खेल की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा डिफेंस। मैंने क्रीज पर बहुत ज्यादा देर तक नहीं खेला तो मैंने बहुत ज्यादा डिफेंड नहीं किया। मुझे इस पर गौर करने की जरूरत है।

रोहित बोले-यह निर्णायक विकेट, सबके लिए नियम एक जैसे हों

// पंत के विकेट पर विवाद //



की लेकिन अंपायर ने नाट आउट दिया। यहाँ टॉम लैथम ने रिव्यू लिया जिसमें पंत के विकेट पर विवाद में पंत ने फील्ड अंपायर को समझाने को कोशिश की लेकिन थर्ड अंपायर ने आउट दिया।

मुंबई, 3 नवम्बर। मुंबई टेस्ट की आखिरी पारी में ऋषभ पंत के विकेट पर विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले से भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट 25 रन से हार गई। इसी के साथ टीम को 3 से ज्यादा मैचों की सीरीज में घर पर पहली बार क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा- पंत का विकेट हमारे लिए निर्णायक रहा। यहाँ से हम मैच हार गए। हमें उम्मीद थी कि पंत जीत दिला देंगे। 22वें ओवर में भारत ने पंत के रूप में 7वां विकेट गंवाया। शानदार बल्लेबाजी कर रहे ऋषभ पंत 64 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एजाज पटेल ने विकेटकीपर टॉम ब्लैंडेल के हाथों कैच कराया। यहाँ पंत ने एजाज की फुल लेंथ बॉल को डिफेंड किया। बॉल बैट-पैड में एक साथ लगी। कीवी टीम ने अपील

अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता आज से

पहले दिन खेले जायेंगे 600 मुकाबले

जयपुर, 3 नवंबर। अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता गुलाबी नगर के सवाई मानसिंह इण्डियन स्टेडियम पर सोमवार से शुरू होगी। पहले दिन वालिफाईंग राउण्ड के 600 मुकाबले खेले जायेंगे। वालिफाईंग राउण्ड 8 नवम्बर की दोपहर तक चलेंगे। प्रतियोगिता के लड़के के अन्डर-15 आयु वर्ग में हेमन्त श्री को पहली व सतीश एस.के. वासुदेव को दूसरी वरियता मिली है। इसी आयु वर्ग की लड़कियों में मानिया अग्रवाल को पहली व वेंकटेश यागना को दूसरी सीड मिली है। लड़कों के अन्डर-17 आयु वर्ग में यशहस एम. रेडडी को पहली व अमित राज नटराज को दूसरी वरियता मिली है। इसी आयु वर्ग की लड़कियों के वर्ग में सीरत बुदवार को पहली व अनुसंजना मुरली को दूसरी सीड मिली है। प्रतियोगिता में 2600 से अधिक



खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। चीफ रेफरी पी रामकृष्णैया ने रिविवा की शाम प्रतियोगिता का इन्डिका। प्रतियोगिता के डिप्टी रेफरी त्रिलोक शुक्ला होंगे। चीफ रेफरी ने डॉ के बाद अंपायर व तकनीकी अधिकारियों की बैठक ली। प्रतियोगिता के मैच कन्ट्रोलर शिशोर खरे हैं। पहले दिन के मुकाबले प्रातः 08:00 बजे से शुरू होंगे। रिविवा को खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास भी किया।

आरपीसी ने एकतरफा मुकाबले में कानोता पोलो को 10-4 से हराया



जयपुर, 3 नवंबर। पचनाम सिंह की टीम ने कानोता पोलो के खिलाफ 10 गोल दागकर मैच को अपने नाम किया जबकि उनके विरोधी ने सिर्फ 4 गोल किए। रिविवा को आरपीसी ने कानोता पोलो को रोमांचक मुकाबले में 10-4 गोल से हराया। सितंबर पोलो सीजन 2024 के अंतर्गत आरपीसी पोलो कप (02 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल रिविवा को राजस्थान पोलो क्लब मैदान पर खेला गया। इस मुकाबले में टीम आरपीसी विजेता रही। फाइनल मुकाबले में पचनाम का प्रदर्शन काफी दमदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए कुल पांच गोल किए। विजेता टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पचनाम सिंह ने 5, आर्यन सिंह ने 2 और सिद्धांत सिंह ने 3 गोल कर टीम को जीत दिलाई। वहीं कानोता पोलो की ओर से दिव्यमान सिंह और अनिरुद्ध ने 1-1 गोल किये। कानोता पोलो टीम को दो अंकों का एडवॉन्ट मिले। यह मैच के एम्पायर पेलन और लॉस वाटसन और रेफ्री रणेश पुरोहित थे।

// जयपुर ज़िला हेंडबॉल संघ // राज्य प्रतियोगिताओं के लिए जयपुर जिले की टीमों का चयन चैंपियनशिपों से

केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे

जयपुर, 3 नवंबर। जयपुर ज़िला हेंडबॉल संघ ने शनिवार को सत्र 2024-25 की सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर जिला हेंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी कर दिया। इन प्रतियोगिताओं में केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। जिनके पास आरएच-पिन नंबर होगा। जिन खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वे खिलाड़ी राज्य हेंडबॉल संघ की वेबसाइट पर लॉगिन कर रजिस्टर्ड करें। जयपुर ज़िला हेंडबॉल संघ के मानद सचिव अरुण प्रताप सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 29वीं जयपुर ज़िला सब

जूनियर हेंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का सवाई मान सिंह स्टेडियम में 6 से 8 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2010 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इसी प्रकार 41वीं जयपुर ज़िला जूनियर हेंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन सवाई मान सिंह स्टेडियम में 9 से 11 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2005 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि 47वीं जयपुर ज़िला सीनियर हेंडबॉल प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) का आयोजन सवाई मान सिंह स्टेडियम में 23 से 26 नवंबर तक किया जाएगा। अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के दौरान ही आगामी राज्य प्रतियोगिता के लिये जयपुर के खिलाड़ियों का चयन भी किया जायेगा।

भारत का फाइनल में पहुंचना कठिन अब ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से जीतना ही होगा



मुंबई, 3 नवम्बर। न्यूजीलैंड ने भारत में 3-0 से टेस्ट जीतकर इतिहास रच दिया है। जबकि टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह में बहुत मुश्किल बना लिया है। टीम को अब बाकी टीमों पर निर्भर नहीं रहना तो 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली 5 टेस्ट की सीरीज में 4 मैच जीतने ही होंगे। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने भारत में टेस्ट सीरीज जीतकर फाइनल में पहुंचने के दरवाजे खोल लिए। अगर टीम भारत में हार जाती तो फाइनल की रस से बाहर हो जाती, लेकिन उसने इतिहास रचा और अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। टीम को वहां 22 नवंबर से 7 जनवरी तक 5 टेस्ट खेलने हैं। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम गैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी। हालांकि 4-0 से जीतना बहुत ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि टीम विराट कोहली और अंजिक्य रहाणे जैसे दिग्गजों की कप्तानी में भी ऑस्ट्रेलिया जाकर 8 में से 4 ही टेस्ट जीत सकी थी। जबकि अब भारत अफ्रीका और श्रीलंका की टीमों में फाईनल में जगह बना सकता है। पांचों टीमों में ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ा फायदा है। पांचों टीमों में ऑस्ट्रेलिया जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में जीतने हैं 55 से ज्यादा पॉइंट्स रखने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में कितने मैच जीतने होंगे।

रोहित घर में 5वां टेस्ट हारे

मुंबई, 3 नवम्बर। रोहित शर्मा ने अभी तक बतौर कप्तान घर में 16 मैच खेले हैं, जिसमें अभी तक वह 5 मुकाबले हार चुके हैं। वहीं अन्डरहूडन और कपिल देव ने घर पर अपनी कप्तानी में 4-4 मैच हारे थे। इस लिस्ट में मंसूर अली खान पटौदी 27 में से 9 मैच हारकर टॉप पर हैं। न्यूजीलैंड ने इस मैच में भारत को चौथी पारी में जीत के लिए 147 रन का टारगेट दिया था। भारत की पारी 121 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने मैच को 25 रन से अपने नाम किया। यह न्यूजीलैंड का डिफेंड किया गया दूसरा सबसे छोटा टारगेट है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्पिनर एजाज पटेल ने तीसरे मैच में 11 विकेट लिए। पहली पारी में 5 और दूसरी में 6 विकेट झटके।

एसआईएस पिचेस ने आठ नई हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का किया निर्माण

हमीरपुर, 3 नवंबर। भारत में उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट सुविधाओं की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए खेल सहित डिजाइन, निर्माण और स्थापना में वैश्विक अग्रणी कम्पनी एसआईएस पिचेस ने आठ नए हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का निर्माण पूरा होने की घोषणा की है। इन आठ पिचों में से चार हमीरपुर के अमतर में अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम और चार अन्य बिलासपुर में लुहनु क्रिकेट स्टेडियम में बनाई गई हैं। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हाइब्रिड पिचों के सफल निर्माण के बाद ये नई पिचें दोनों स्थानों पर अधिक खेलों की मेजबानी और देश भर में क्रिकेट के बढ़ते उत्साह को पूरा करने की अधिक क्षमता प्रदान करेगी। अमतर और बिलासपुर में दो-दो पिचें मैदान के बीच भर में बनाई गई हैं जबकि दो-दो अतिरिक्त पिचें सर्मापति अभ्यास क्षेत्र में तैयार की गई हैं। नई पिचें बिलासपुर और अमतर दोनों में सभी स्तरों पर क्रिकेट के लिए खेल की स्थिति और पेशेवर गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाएंगी। एसआईएस पिचेस ने अमतर के अभ्यास क्षेत्र में विशेष रूप से

डिजाइन किए गए टर्फ का 30 वर्ग मीटर विस्तार भी किया है। यह अतिरिक्त टर्फ यहां क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा। एसआईएस पिचेस के अंतरराष्ट्रीय सेल्स डायरेक्टर पॉल टेंटर ने कहा भारत भर में हाइब्रिड पिचों के लिए बढ़ती रुचि को देखना उत्साहजनक है। बिलासपुर और अमतर में टीमों के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा है। ये पिच इन क्लबों को अधिक टिकाऊ सतहों पर अधिक गेम खेलने का मौका देंगे और अंततः यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिक से अधिक खिलाड़ी अपने क्रिकेट में सुधार करें और खेल से लाभान्वित हों। अमतर में अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम के क्यूरेटर संजय ठाकुर ने कहा नई हाइब्रिड पिचें हमें अधिक क्षमता प्रदान करेगी और हम अधिक मैचों की मेजबानी कर पाएंगे। ये पिचें अभ्यास के लिए बेहतर सुविधाएं भी प्रदान करेंगी जिससे हमें अपने क्षेत्र में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह को पूरा करते हुए विभिन्न स्तरों पर प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिलेगी। इई में एसआईएस

पिचेस ने धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत की पहली हाइब्रिड क्रिकेट पिचें निर्मित की थीं। हाइब्रिड पिचें लगातार उछाल, स्थायित्व और बेहतर खेल अनुभव प्रदान करने के लिए प्राकृतिक और कृत्रिम टर्फ तकनीक को मिला कर बनाई जाती हैं। एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिचों में प्राकृतिक घास को पांच प्रतिशत पॉलिमर फाइबर के साथ जोड़ा जाता है जो भारत की विविध जलवायु को सहन करने के लिए डिजाइन की गई हैं। यूनिवर्सल मशीन हाइब्रिड पिच के निर्माण का एक महत्वपूर्ण घटक है जो पहली बार 2017 में एसआईएस ग्रास द्वारा विकसित किया गया था। यह क्रिकेट स्टेडियमों और पिचों के अंदर प्राकृतिक टर्फ के साथ पॉलिमर फाइबर का एक छोटा अंश इंजेक्ट करता है। केवल पांच प्रतिशत सिंथेटिक फाइबर के साथ पिच सुनिश्चित करती है कि क्रिकेट के लिए आवश्यक प्राकृतिक विशेषताएं इसमें संरक्षित हैं। रूट एरोटेयन प्रणाली, एसआईएस ग्रास जैसी तकनीकों के माध्यम से पिच की सेहत तथा लचीलेपन में और सुधार होता है।

भारत ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण सहित 17 पदक जीते

नई दिल्ली, 3 नवंबर। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित कुल 17 पदक जीते। इनमें से आठ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के प्रशिक्षु हैं। अमेरिका के कोलोराडो में आयोजित हुई इस चैंपियनशिप में पार्थवी प्रवाल, वंशिका गोस्वामी और हेमंत सांगवान ने स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 19 में 17 मुक्केबाजों ने पदक जीते। भारत को महिला वर्ग में 10 पदक और पुरुष वर्ग में सात पदक मिले। पार्थवी ने महिलाओं के 65 किग्रा फाइनल में नीदरलैंड्स की आलिया होपेमा पर 5-0 से जीत दर्ज की। वंशिका ने 80

किग्रा वर्ग में जर्मनी की विक्टोरिया गैट को हराया और कृषा वर्मा ने महिला, 75 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। पुरुष वर्ग में हेमंत ने 90 किग्रा वर्ग में अमेरिका के रिशोन सिम्स पर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल करके स्वर्ण जीता। इसके अलावा निशा (51 किग्रा), सुप्रिया देवी थोकचोम (54 किग्रा) और कृतिका वासन (80 किग्रा), चंचल चौधरी (महिला, 48 किग्रा), अंजलि सिंह (महिला, 57 किग्रा), विनी (महिला, 60 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (महिला, 70 किग्रा), राहुल कुंडू (पुरुष, 75 किग्रा) को रजत पदक मिले। वहीं ऋषि सिंह (पुरुष 50 किग्रा), कृष पाल (पुरुष 55 किग्रा), सुमित (पुरुष 70 किग्रा), आर्यन (पुरुष 85 किग्रा), लक्ष्य राठी (पुरुष 90 किग्रा) से अधिक किग्रा) में कांस्य पदक हासिल किया।

175 साइकिल चालकों की बड़ी भागीदारी के बीच दूर डी सनावर संपन्न

शिमला, 3 नवंबर। हिमाचल प्रदेश के सनावर स्थित द लॉरेंस स्कूल की ओर से स्कूल के पूर्व छात्र संगठन द ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के सहयोग से आयोजित वार्षिक साइक्लोथॉन ट्रू डी सनावर का रविवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चार आयु वर्गों में 16 स्कूलों और 20 से अधिक शहरों, जिनमें बंगलूरु, पुणे और गुवाहाटी शामिल हैं, के 175 साइकिल चालकों ने भाग लिया। हीरो साइकिल्स के चेयरमैन पंकज मुंजाल (जो स्कूल के पूर्व छात्र भी हैं) और ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज सूरु ने स्कूल के प्राधान्यापक हिममत सिंह डिल्लों की मौजूदगी में साइकिलिंग रेस को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण लक्ष्य प्रॉग्रेड द्वारा किया गया साहसी साइकिल स्टंट शो था, जो एक पेशेवर एमटीबी स्टंट राइडर और चार बार के विश्व चैंपियन होने के साथ-साथ साइकिल स्टंट में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। जूनियर वर्ग में लड़कियों में लॉरेंस स्कूल सनावर की आरिनी और लड़कों में स्टोक्स मेमोरियल शिमला के सार्थक ठाकुर ने पहला स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में लड़कियों और लड़कों में क्रमशः लॉरेंस स्कूल सनावर की मनस्वी बडोला और जीएमएसएस के अर्जुन ने पहला स्थान प्राप्त किया।

देवनानी चार देशों की यात्रा पर सोमवार को रवाना होंगे

वे ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में भाग लेंगे

जयपुर, 3 नवम्बर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा पर जायेंगे। देवनानी सोमवार को दिल्ली से दोपहर दो बजे ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे। देवनानी ऑस्ट्रेलिया में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67 वें सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की बैठक ऑस्ट्रेलिया में 5 से 8 नवम्बर तक होगी। ऑस्ट्रेलिया में सम्मेलन में भाग लेने के बाद देवनानी राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के पोस्ट कॉन्फ्रेंस स्टडी टूर के तहत इण्डोनेशिया, सिंगापुर और जापान भी जायेंगे और 20 नवम्बर को दिल्ली वापिस लौटेंगे।

इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी इन देशों में भारत के राजदूतों

■ 5 से 8 नवम्बर सम्मेलन में भाग लेने के बाद देवनानी इण्डोनेशिया, सिंगापुर व जापान भी जायेंगे।

से मुलाकात करेंगे तथा इन देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करेंगे और संसदीय प्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ करण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श करेंगे। इस अध्ययन यात्रा से राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलेगी।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का यह वार्षिक सम्मेलन है। यह सम्मेलन



वासुदेव देवनानी

प्रतिवर्ष अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता है। देवनानी राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं।

रविवार को विधानसभा में अधिकारिण ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को पुष्प भेंट कर इस विदेश यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन को ऑस्ट्रेलिया में सम्बोधित करेंगे। यात्रा के दौरान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी विधान सभा अध्यक्ष के साथ रहेंगे। देवनानी इस विदेश यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों, शिक्षाविदों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और सिंधी समाज के प्रबुद्धजन से भी मुलाकात करेंगे।

योगी को धमकी देने वाली महिला मुंबई से गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश, 03 नवंबर। यू.पी. के सी.एम. योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस ने बताया कि, आरोपी महिला का नाम फातिमा खान (24) है। उसने शनिवार को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में मैसेज किया था। लिखा था- अगर योगी ने 10 दिन में इस्तीफा नहीं दिया तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करेगी।

महिला ने ऐसा क्यों किया? इस बारे में पुलिस पृष्ठताछ कर रही है। सूत्रों ने बताया कि महिला संपन्न परिवार से है, काफी पढ़ी-लिखी है। पुलिस ने उसे कहीं से गिरफ्तार किया। इसका खुलासा नहीं किया है।

दरअसल, शनिवार को मुंबई पुलिस को धमकी भरा मैसेज मिला था। इसके बाद ही मुंबई पुलिस ने यू.पी. पुलिस को सूचना देने के साथ ही जांच शुरू कर दी थी।

यू.पी. पुलिस के एक सीनियर पुलिस अफसर ने कहा कि मुंबई पुलिस इसकी जांच कर रही है। शुरुआती जांच में यह भी पता चला है कि महिला मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं है।

मुख्यमंत्री ने "राइजिंग राजस्थान" के लिए टीम सऊदी अरब भेजी

उद्योग मंत्री विश्वाजी के नेतृत्व में टीम रियाद में इन्वैस्टर मीट में भाग लेगी

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर, 03 नवंबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में 9 से 11 दिसंबर तक राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वैस्टमेंट समिट-2024 को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार बड़े पैमाने पर देशों और विदेशी निवेशकों, संस्थाओं और कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों से लगातार बैठकें कर रही है, ताकि आने वाले समय में प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश हो सके और 'विकसित राजस्थान' के लक्ष्य को पूरा करने की ओर बढ़ाया जा सके।

इसी कड़ी में रविवार को उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्वाजी के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब के दौर पर रवाना हुआ है। अपनी तीन दिवसीय यात्रा में यह प्रतिनिधिमंडल 4 नवंबर को रियाद में आयोजित इन्वैस्टर मीट में हिस्सा लेगा और सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों एवं वहां के सार्वजनिक और निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों और व्यापार और व्यवसाय से जुड़े अन्य स्टेकहोल्डर्स से मुलाकात करेगा। इसमें सऊदी अरब के सहायक निवेश मंत्री इंजी. इब्राहिम युसेफ अल मुबारक से होने वाली मुलाकात शामिल है, जिसके दौरान सऊदी अरब को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वैस्टमेंट समिट 2024 के 'पार्टनर कंट्री' के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

सऊदी अरब के दौर पर जा रहे राज्य सरकार के इस प्रतिनिधिमंडल में, राज्य मंत्री विश्वाजी के अलावा, राजस्थान सरकार के वित्त (व्यय) विभाग के सचिव नवीन जैन, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव संदेश नायक, डी.एम.आई.सी.



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

के अतिरिक्त आयुक्त नवीन कुमार और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

सऊदी अरब से निवेश लाने के उद्देश्य से यह प्रतिनिधिमंडल अलफनार प्रोजेक्ट्स, एसएबीआईसी, एसईडी सीओ कैपिटल, अल मुहम्मद ग्रुप, जेद्दा चैंबर, बिनजागर ग्रुप, बसम ग्रुप और अब्दुल्ला हाशिम कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा।

इसके अलावा, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री विश्वाजी सऊदी अरब में भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान के साथ रियाद में आयोजित इंडिया फूड फेस्टिवल का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। प्रतिनिधिमंडल सऊदी बिल्ड में इंडिया पैवेलियन के उद्घाटन समारोह, में भी भाग लेगा। साथ-ही-साथ, जेद्दा में मौजूद एक पुरातात्विक स्थल, ओल्ड बलद का दौरा करेगा और उनके तथा राजस्थान के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के बीच साझेदारी के अवसरों की भी तलाश करेगा।

अपने सऊदी अरब प्रवास के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय मूल के लोगों और अप्रवासी राजस्थानी

■ प्रतिनिधि मंडल में वित्त (व्यय) सचिव नवीन जैन, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव संदेश नायक, डी.एम.आई.सी. के अतिरिक्त आयुक्त नवीन कुमार भी शामिल हैं।

समुदाय के लोगों, जिन्होंने वहां नाम और प्रसिद्धि अर्जित की है और देश और राजस्थान को गौरवान्वित किया है, से भी मिलेगा और उन्हें अपनी जन्मभूमि से फिर से जुड़ने के लिए आमंत्रित करेगा।

फर्रुखाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पुलिस एवं पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि अशोक पालीवाल की उम्र करीब 60 वर्ष थी और घटना को अंजाम देने के समय वह घर पर अकेले थे, पत्नी बच्चे मुरादाबाद में थे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राम अवतार ने बताया कि मृतक के पास से बरामद सुसाइड नोट के अनुसार अशोक पालीवाल ने बीमारी से तंग आकर आत्महत्या की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक अशोक पालीवाल आज सुबह अपने घर के आंगन में खून से लथपथ पड़े होने की सूचना पुलिस को मोहल्ला पटवन निवासी उनके भाई सुरेश चंद्र पालीवाल ने दी।

रणथम्भौर में चरवाहे को मारने वाले टाइगर की हत्या

बौली-बामनवास, 3 नवंबर। सर्वाइ माधोपुर के रणथम्भौर नेशनल पार्क के निकट उलियाना गांव के पास एक खेत में टाइगर टी-86 मृत पाया गया।

माना जा रहा है कि, अज्ञात लोगों ने पत्थर एवं धारदार हथियारों से टाइगर की हत्या की है, क्योंकि, उसके शव के पास बड़े-बड़े पत्थर पाए गए हैं व उसके चेहरे पर धारदार हथियार की गहरी चोट है।

ज्ञातव्य है कि, दो दिन पहले रणथम्भौर नेशनल टाइगर पार्क की दीवार के पास उलियाना गांव का एक चरवाहा, भारत लाल मीणा बकरियां चरा रहा था।

उसी समय किसी टाइगर ने उसे मौत के घाट उतार दिया था लेकिन यह पहचान नहीं हो पाई थी कि हमला किस टाइगर ने किया है।

इस मामले को लेकर ग्रामीण

■ नेशनल पार्क के पास उलियाना गांव के पास एक खेत में टाइगर टी-86 मृत मिला। उसकी हत्या अज्ञात लोगों ने पत्थर और धारदार हथियारों से की।

आंदोलन कर रहे थे। आज डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने सहमति के बाद आंदोलन खत्म करवाया।

इस मामले को लेकर वन विभाग सीधा तौर पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है, लेकिन बाघ टी-86 की मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि पोस्टमार्टम हो जाने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।



सर्वाइ माधोपुर के रणथम्भौर नेशनल पार्क के निकट उलियाना गांव के पास टाइगर टी-86 की अज्ञात लोगों ने पत्थर एवं धारदार हथियारों से हत्या कर दी।

न्यूजीलैंड ने भारत दौरे में "क्लीन स्वीप" किया

भारतीय टीम 92 साल के इतिहास में पहली बार न्यूजीलैंड से होम सीरीज 3-0 से हारी है

मुंबई, 03 नवंबर। न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे और अंतिम टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रच दिया। ज्ञातव्य है कि, यह पहला मौका है जब भारतीय टीम का अपनी ही धरती पर सुपेड़ा साफ हो गया है। भारतीय टीम का हाल में घरेलू मैदानों पर शानदार रिकार्ड रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड ने रविवार को दिखा दिया कि भारत अपने घरेलू मैदान पर अजेय नहीं है।

टीम लैमन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड की टीम ने रविवार को तीसरे टेस्ट मैच में भारत 25 रनों हराकर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में ऐतिहासिक क्लीन स्वीप किया। एजाज पटेल को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं विजय यंग को प्लेयर ऑफ द सीरीज का

■ तीसरे टेस्ट में आज न्यूजीलैंड ने भारत को 25 रन से हराया। एजाज पटेल मैन ऑफ द मैच तथा बिल यंग प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित हुए।

पुरस्कार मिला। न्यूजीलैंड ने 92 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार भारतीय टीम को सरजमीं पर क्लीन स्वीप किया है। न्यूजीलैंड टीम ने पहली बार 1955 में भारत का दौर पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से हार गयी थी। सीरीज के तीन मैच ड्रा रहे थे। फिर 1965 में न्यूजीलैंड की टीम भारत आई और इस बार भी उन्हें एक भी टेस्ट जीतने का

पुलवामा से आतंकवादियों का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर, 03 नवंबर। जम्मू-कश्मीर में जहां शनिवार को सुरक्षाबलों ने लश्कर के कमांडर को ढेर कर एक बड़ी सफलता अर्जित की वहीं रविवार को पुलवामा से आतंकवादियों के मददगार सज्जाद अहमद डार को गिरफ्तार किया। आरोपी का संबंध आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से है और लंबे समय से वह उनके लिए काम करता रहा है। सुरक्षाबलों ने सज्जाद अहमद डार के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

जानकारी के मुताबिक सज्जाद अहमद डार को गिरफ्तारी मंगलवार को पकड़े गए आतंकी मौलवी दानिश बशीर अहंगर से मिले सुरागों के आधार पर हुई। दानिश को सेना की इंटेलीजेंस विंग की सूचना के आधार पर उस समय पकड़ा गया था जब वह अपनी स्कूटी की डिवक्की में प्रेनेड लेकर जा रहा था। दानिश से मिले सुरागों के आधार पर पुलवामा और उससे घेरे इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई और सज्जाद अहमद डार को गिरफ्तार कर लिया गया। तपतीश में पता चला कि वह हिजबुल मुजाहिदीन का पुराना मददगार रहा है।

पेंथर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उन्होंने कहा कि लोगों को भीड़ के चलते पैथर हमलावर हो गया और डरकर छुप कर बैठ गया, हो सकता है कि अंधेरे में रिहायशी इलाका छोड़ जंगल व पहाड़ी में चला गया हो, फिर भी एहतियात के तौर पर लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

यम द्वितीया पर यमुना में दो लाख लोगों ने स्नान किया

मथुरा के विश्राम घाट पर इस दिन भाई-बहन के स्नान का बहुत धार्मिक महत्व है

मथुरा, 03 नवंबर। यम द्वितीया के पावन पर्व पर रविवार को देश के विभिन्न भागों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने पतित पावन यमुना में स्नान कर पुण्य लाभ कमाया। स्नान करने वालों में सबसे अधिक संख्या विभिन्न आयु वर्ग के भाई बहनों की थी। एस.एस.पी. शैलेश कुमार पाण्डे के अनुसार, आज यम द्वितीया के स्नान में दो लाख से अधिक लोगों ने यमुना में स्नान किया तथा इस दौरान कहीं पर भी किसी प्रकार की अभिय घटना नहीं घटी। इसके लिए विशेष योजना बनाई गई थी। इसके तहत विश्राम घाट के स्नान स्थल को नावों से घेरा, बिना रुकावट के बिजली की आपूर्ति करना, महिलाओं के लिए अलग से चेंजिंग रूम बनाना, घाटों पर सादा वर्दी में महिला पुलिस की तैनाती आदि इंतजाम किए गए थे।

■ प्रशासन ने विश्राम घाट के स्नान स्थल का नावों से घेराव, बिना रुकावट बिजली की आपूर्ति, महिलाओं के लिए अलग चेंजिंग रूम, सादावर्दी में महिला पुलिस की तैनाती आदि का विशेष प्रबंध किया।

■ देवरिया से आये 70 वर्षीय वेद प्रताप एवं लगभग इसी आयु की उनकी बहिन सुनीता ने इसे सुखद अनुभव बताया, वहीं, हल्द्वानी से आए किशोर रवीश और उनकी बहन के लिए यह एक अनूठा अनुभव था।

धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार यम द्वितीया के दिन मथुरा में विश्राम घाट पर भाई-बहन के साथ-साथ स्नान करने के संबंध में रोचक कथा है कि आज के ही दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर तिलक लगाने के लिए गए थे। वहां पर उनकी बहन ने उनका बहुत अधिक सत्कार किया तो प्रसन्न होकर यमराज ने

उन्हें वरदान दिया कि यम द्वितीया के दिन जो भाई-बहन साथ-साथ विश्राम घाट मथुरा में यमुना में स्नान करेंगे उन्हें मोक्ष मिलेगा तथा उन्हें यमदूत परेशान नहीं करेंगे।

इसी के आधार पर आज मथुरा के विश्राम घाट पर विभिन्न आयु वर्ग के भाई बहन ने साथ साथ यमुना में स्नान

किया। यह स्नान वैसे तो शनिवार की आधी रात बाद ही शुरू हो गया था किंतु सबसे अधिक भीड़ सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच थी।

जिला प्रशासन ने अधिक भीड़ के समय लोगों को स्नान के लिए टुकड़ियों में भेजा। तीर्थयात्रियों ने स्नान के बाद यमुना किनारे स्थित धर्मराज मन्दिर में पूजा अर्चना भी की। देवरिया से आये 70 वर्षीय वेद प्रताप एवं लगभग इसी आयु की उनकी बहिन सुनीता ने इसे सुखद अनुभव बताया, वहीं, हल्द्वानी से आए किशोर रवीश और उनकी बहन के लिए यह एक अनूठा अनुभव था। गुजरात से आए अधिकांश भक्त अपने साथ यमुना जल ले गए। घीसा अटेल ने बताया कि वे बड़ौदा में अपने घर पर जाकर धार्मिक आयोजन के साथ इस लोटी को खोलेंगे।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में रिकार्ड साढ़े 16 लाख से अधिक तीर्थ यात्री श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। उल्लेखनीय है श्री बदरीनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष 17 नवंबर को बंद हो रहे हैं। श्री गंगोत्री धाम के कपाट बीते शनिवार 02 नवंबर को शीतकाल हेतु बंद हो गये हैं।

वहीं, पवित्र गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब तथा लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट बीते 10 अक्टूबर को बंद हो गये।

द्वितीय केदार महेश्वर जी के कपाट 20 नवंबर को बंद हो रहे हैं तथा तृतीय केदार तुंगनाथ जी के कपाट कल सोमवार 04 नवंबर को बंद हो रहे हैं, जबकि चतुर्थ केदार रुद्रनाथ जी के कपाट 17 अक्टूबर को बंद हुए।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) एशिया में बौद्ध धर्म की विविध अभिव्यक्ति को एक साथ लाने का एक अनूठा अवसर है। संवाद के माध्यम से, समकालीन चुनौतियों का सामना और बौद्ध विश्वास को बढ़ावा देने के लिए, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एक ज्यादा उदार, स्थायी एवं शांतिपूर्ण विश्व में योगदान देना है, जो हमें मानवता के व्यापक कल्याण का पूर्ण आवास देता है।

भाजपा झारखंड में आदिवासी-मूलवासी को हटाना चाहती है-हेमंत सोरेन

उन्होंने कहा, ये लोग खनिज सम्पदा का एक लाख 36 हजार करोड़ बकाया नहीं दे रहे

■ एक चुनाव सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में ना यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा, ना नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स, यहाँ केवल छोटा नागपुर एंड संथाल परगना टैनेन्सी एक्ट ही चलेगा।

आदिवासी - मूलवासी को हटाना चाहते हैं। जब हम लोगों ने सरकार गठन के बाद आपके लिए काम करना शुरू किया तो इन लोगों ने झूठे आरोप में मुझे जेल में डाल दिया। इन्हें यहाँ के आदिवासी- मूलवासी दलित, पिछड़ों से कोई मतलब नहीं है। इन्हें मतलब है तो यहाँ की खनिज संपदा से है और झारखंड के खनिज संपदा का एक लाख 36000 करोड़ हमारा बकाया ये नहीं दे रहे हैं।

सोरेन ने कहा, यहाँ की माता बहनों के सम्मान में हम आर्थिक सहयोग कर रहे हैं। आने वाले 5 वर्षों में हर घर में एक लाख रुपये पहुंचने का काम करेंगे और हम लोगों ने कानून बना दिया है कि जिनके खाते में 1000 जा रहा है, वह 2500 रुपया हो जाएगा। इन्हें अगर मौका लग गया तो यह आपके शरीर से कतराकरा खून निकाल लेंगे। पांच वर्ष से ये सत्ता से बेदखल हैं। आज भारतीय जनता पार्टी का पेड़ सूखता जा रहा है। आने वाले समय में फिर 5 साल तक इन्हें बाहर करेंगे और इन्हें जड़ से उखाड़ कर देख देंगे।

सोरेन ने कहा ये लोग कहते हैं जेपीएससी और सीजेएल परीक्षा के जरिए हुई नियुक्ति की सीबीआई से जांच करेंगे। हमने सीजीएल परीक्षा की पूरी जांच कर ली है। लोग चिन्हित हो

चुके हैं, जिन्होंने गड़बड़ी करने की कोशिश की, गड़बड़ी तो कर नहीं पाए लेकिन पकड़े जा चुके हैं चुनाव समाप्त होते ही वे सभी जेल जाएंगे। सोरेन ने केंद्रीय गृहमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इनके गृह मंत्री ने कहा है कि नक्सलवाद खत्म कर देंगे। हम पूछना चाहते हैं अगर नक्सलवाद खत्म नहीं हुआ तो पांच चरण में होने वाले चुनाव को दो चरण में कैसे करा रहे हैं। इससे साफ संकेत है कि इस राज्य में नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म हो चुका है। आने वाला समय बताएगा झूठ क्या है और सच क्या?

उन्होंने कहा, मैं यह जानना चाहता हूँ कि बांग्लादेश के साथ अंदर ही अंदर कोई समझौता है क्या? बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री का अपने यहाँ प्लेन क्यों उतरने दिया? उसे किस आधार पर शरण दे रखी है? यह बताइए, झारखंड में बिजली उत्पादन होता है और

बांग्लादेश में सप्लाई करते हैं और बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करते हैं। बांग्लादेश की सीमा की सुरक्षा भारत सरकार को जिम्मा है, इसमें राज्य सरकार का कोई रोल नहीं। बांग्लादेश से घुसपैठ करने वाले आपके साथी राज्यों से घुसकर आते हैं, वहाँ क्यों नहीं रोकते हैं घुसपैठ।

सोरेन ने कहा मैया सम्मान योजना क्या मुसलमान के लिए है, हिंदुओं के लिए है, सिखों के लिए, ईसाइयों के लिए है, नहीं, यह योजना सभी के लिए है। यह देश का पहला राज्य है जो देश के कर्मचारी को बुढ़ा पथ की लाठी पेंशन देने का काम कर रहा है। ये लोग सबके बुढ़ा पें लाठी छीन लेना चाहते हैं। ये लोग कहते हैं कि झारखंड सरकार पेंशन नहीं दे रही है। जबकि केंद्र सरकार से मिलने वाला पैसा तुम लोगों ने रोक रखा है। झारखंड के हिस्से का पैसा राज्य सरकार ने ना रोका है न कभी रोकेगी।

नई दिल्ली, 03 नवंबर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों पर उपचुनाव होने हैं इसी बीच अचानक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। उपचुनाव की पूरी बागडोर संभाल रहे मुख्यमंत्री योगी दिल्ली पहुंचते ही यू.पी. सदन गए और फिर वहां से पीएम मोदी से मिलने के लिए निकले। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात करीब सवा घंटे तक हुई। इस मुलाकात की कोई पुष्टि वजह तो सामने नहीं आई है लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि योगी की सियासत से जुड़े मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच अहम बातचीत हुई होगी।

मुख्यमंत्री योगी की यह मुलाकात केवल प्रधानमंत्री तक ही सीमित नहीं रही। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने पहुंचे। नड्डा से मुलाकात पर सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि दोनों नेताओं के बीच उपचुनाव और पार्टी संगठन के मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। वहीं सीएम योगी आज रात गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलने वाले हैं। सीएम योगी के अचानक दिल्ली दौरे से सियासी

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

■ योगी के अचानक दिल्ली दौरे से सियासी गलियारों में सरगामी बढ़ गई है।

गलियारों में सरगामी बढ़ गई है। इस मुलाकात के संदर्भ को लेकर कयास लगाने का सिलसिला जारी है। सीएम योगी के दिल्ली दौरे की अहमियत इसलिए बढ़ गई है क्योंकि राज्य में मीरापुर (मुजफ्फरनगर), कुंदरकी (मुरादाबाद), गाजियाबाद, खैर (अलीगढ़), करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), फूलपुर (प्रयागराज), कटेहरा (अंबेडकर नगर) और मझवां (मिर्जापुर) में उपचुनाव हो रहे हैं। सीएम के अचानक दिल्ली दौरे की संभावित वजहों में सबसे ज्यादा इसी की चर्चा है। माना जा रहा है कि चुनाव प्रचार को लेकर मंत्रणा के लिए सीएम योगी दिल्ली पहुंचे हैं।